डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 207 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 06 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अमित शाह ने गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी' का भूमि पूजन किया

दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के आणंद में देश के पहले सहकारी विश्वविद्यालय 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी' का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मुरलीधर मोहोळ, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन सहकारिता क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने त्रिभुवन दास पटेल जी को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि चार साल पहले प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के करोड़ों गरीबों और ग्रामीणों के जीवन में आशा का संचार करने और उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद से पिछले 4 साल में सहकारिता मंत्रालय ने भारत में सहकारिता क्षेत्र के विकास, संवर्धन और समविकास के लिए 60 नई पहल की हैं। शाह ने कहा कि ये सभी पहल सहकारिता आंदोलन को चिरंजीव, पारदर्शी, लोकतांत्रिक बनाने, विकसित करने, सहकारिता के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने और सहकारिता आंदोलन में मातृशक्ति और युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए की गईं।

अमित शाह ने कहा कि आज यहां 125 एकड़ में 500 करोड़ रूपए की लागत से देश के पहले त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी की आधारशिला रखने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि आज त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी का शिलान्यास सहकारिता क्षेत्र को मज़बूत करने में रह गई सभी कमियों को पूरा करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देशभर में सहकारिता आंदोलन बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी का शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एक युगांतरकारी कदम है। आज देशभर में 40 लाख कर्मी सहकारिता आंदोलन के साथ जुड़े हैं, 80 लाख बोर्ड्स के सदस्य हैं और 30 करोड़ लोग, यानी देश का हर चौथा व्यक्ति, सहकारिता आंदोलन से जुड़ा हुआ है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के विकास के लिए सहकारिता के कर्मचारियों और सहकारी समितियों के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए पहले कोई सुचारू व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि पहले को ऑपरेटिव में भर्ती के बाद कर्मचारी को ट्रेनिंग दी जाती थी, लेकिन अब यूनिवर्सिटी

बनने के बाद जिन्होंने प्रशिक्षण लिया है, उसी को नौकरी मिलेगी। शाह ने कहा कि इसके कारण सहकारिता में भाई-भतीजावाद खत्म हो जाएगा, पारदर्शिता आएगी और जो सहकारी यूनिवर्सिटी से प्रशिक्षित होकर निकलेगा, उसी को सहकारी क्षेत्र में नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी में युवा तकनीकी विशेषज्ञता, अकाउंटेंसी, वैज्ञानिक अप्रोच और मार्केटिंग के सारे गुण तो सीखेंगे ही, साथ ही उन्हें सहकारिता के संस्कार भी सीखने को मिलेंगे कि सहकारिता आंदोलन देश के दलित, महिलाओं और आदिवासियों के लिए है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र की कई समस्याओं का समाधान इस सहकारी यूनिवर्सिटी से हो जाएगा। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि जिस मेगा वैक्यूम ने हमारे सहकारिता आंदोलन को सिकोड़कर रख दिया था उसे भरने का काम यह यूनिवर्सिटी करेगी जिसके कारण अब सहकारिता आंदोलन फलेगा, फूलेगा, आगे बढ़ेगा और भारत पूरे विश्व में सहकारिता का गढ़ बनेगा। त्रिभुवन सहकारिता यूनिवर्सिटी, यहां बनाई हुई नीतियां और अभ्यासक्रम, सहकारिता के आर्थिक मॉडल को एक जनआंदोलन में परिवर्तित करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी बड़ी सहकारी संस्थाओं के लिए योग्य कर्मचारी प्रदान करने का काम यह यूनिवर्सिटी करेगी। शाह ने कहा कि हम को ऑपरेटिव टैक्सी लाना चाहते हैं, को ऑपरेटिव इंश्योरेंस कंपनी भी बनाना चाहते हैं तो हमें हर क्षेत्र के विशेष ज्ञान वाले अधिकारी, कर्मचारी और सहकारी नेता भी चाहिए।उन्होंने पूरे देश के सहकारिता क्षेत्र का आह्वान करते हुए कहा कि देशभर के सहकारिता प्रशिक्षण विशेषज्ञ इस यूनिवर्सिटी से जुड़ें और अपना योगदान दें।

भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और सस्ती है: लोकसभा अध्यक्ष

-भारत फार्मा और चिकित्सा शोध के वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है- ओम बिरला

दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और सस्ती है। उन्होंने चिकित्सा आधारभूत ढांचा और सेवा वितरण में देश की महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की गुणवत्ता को सफलतापूर्वक बढ़ाया है और यह सुनिश्चित किया है कि यह हर नागरिक की पहुँच में रहे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में की गई अनेक पहलों ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक समावेशी और रोगी केंद्रित बनाया है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच, डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों और किफायती उपचार विकल्पों में हुई प्रगति की सराहना की और एक मजबूत और न्यायसंगत स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बिरला ने नई दिल्ली में नवाचारी चिकित्सक मंच के 7वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईपीएफ मेडिकॉन 2025 का उद्घाटन करते हुए यह उल्लेख किया।

बिरला ने कहा कि आज जब विकसित देश बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, भारतीय चिकित्सक नवाचार और अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मंच चिकित्सा क्षेत्र में नवीनतम शोध, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म के रूप में कार्य करता है। यह पता लगाता है कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपकरणों का उपयोग बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने और चिकित्सा में वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय डॉक्टरों की प्रतिभा और गुणवत्ता ने दुनिया ने लोहा माना है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण, सेवा और बलिदान ने भारत को कोविड-19 वैश्विक महामारी का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने और सफल उपचार प्रदान करने में सक्षम बनाया था। बिरला ने उल्लेख किया कि यह भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की विश्वसनीयता का सच्चा प्रमाण है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा शोध के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, उन्होंने देश में दवा निर्माण, वैक्सीन उत्पादन और जैव चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि भारत ने खुद को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के दक्ष वैज्ञानिक, बेहतर शोध बुनियादी ढाँचा और नवाचार पर ध्यान केन्द्रित करते हुए स्थानीय और वैश्विक दोनों जरूरतों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शोध और विकास को बढ़ावा देने वाली पहल और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग वैश्विक स्वास्थ्य के भविष्य को आकार देने में भारत की भूमिका को और मजबूत कर रहे हैं। बिरला ने यह भी उल्लेख किया कि भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में गंभीर प्रयास कर रही है। आयुष्मान भारत जैसी पहलों के माध्यम से वंचितों के लिए शोध, नवाचार और मुफ्त चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और शोध के महत्व का उल्लेख करते हुए इसे समय की मांग बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने और रोगी देखभाल में सुधार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति का लाभ उठाया जाना चाहिए। बिरला ने कहा कि नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना और चिकित्सा शोध के क्षेत्र में निवेश करना, नए उपचार विकसित करने, बीमारी की रोकथाम को बढ़ाने और समग्र स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने संस्थानों, वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं से सहयोगात्मक रूप से काम करने का आग्रह किया ताकि ऐसी सफलताएँ प्राप्त की जा सकें जो न केवल भारत बल्कि वैश्विक समुदाय को भी लाभान्वित कर सकें।

बिरला ने यह भी कहा कि यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं है - यह मानव सेवा के लिए एक वैश्विक मंच है। उन्होंने कहा कि शोध, नवाचार और सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, आईपीएफ एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां होने वाली चर्चाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल उपकरण, रोबोटिक्स और अन्य आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को भी शामिल किया जाएगा- जो इस बात पर केंद्रित होंगी कि मानव-केंद्रित, कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रणाली कैसे बनाई जाए।

जयपुर में बिना परमिट बसों पर सख्त कार्रवाई, 3 लाख रुपए का जुर्माना

जयपुर। जयपुर में शनिवार को आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस ने बिना परमिट और तय रूट से हटकर चल रही बसों पर बड़ी कार्रवाई की। नारायण सिंह सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल और अजमेरी गेट इलाके में चेकिंग के दौरान करीब 20 बसों के चालान बनाए गए और एक बस को सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई से विभाग को करीब 3 लाख रुपए जुर्माना वसूलने की उम्मीद है।

आरटीओ प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि बिना परमिट और तय रूट से हटकर शहर में आने वाली बसों पर अब हर जगह निगरानी रखी जाएगी। नियम तोड़ने पर बस संचालकों के परमिट रद्द करने की कार्रवाई भी होगी। इस अभियान के तहत शनिवार को टोंक रोड और आगरा रोड से आने वाली बसों पर भी कार्रवाई की गई। इन बसों को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं थी, इसके बावजूद ये बसें नियम तोड़कर शहर में घुस रही थीं।

यह अभियान परिवहन सचिव शुचि त्यागी के निर्देश पर शुरू किया गया है। आरटीओ प्रथम और ट्रैफिक पुलिस की टीमें अगले 15 दिन तक शहर में बिना परमिट, बिना फिटनेस और बिना टैक्स के चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई करेंगी।

राजस्थान में बारिश का कहर: सवाई माधोपुर में 8 इंच बारिश, 4 की मौत

जयपुर। राजस्थान में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार को सवाई माधोपुर, टोंक, सीकर, नागौर, जयपुर और अजमेर समेत कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा में 8 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई, जिससे कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। बारिश के कारण सवाई माधोपुर में स्कूल और बाजारों में घुटनों तक पानी भर गया। जिला कलेक्टर ऑफिस परिसर भी पानी से लबालब हो गया। सीकर में दुकानों और विधायक के घर में पानी घुस गया।

तेज बारिश के बीच अलग-अलग जगह डूबने से मां-बेटे समेत 4 लोगों की मौत हो गई।

बारिश के चलते नदियों और बांधों में पानी बढ़ गया है। कोटा बैराज और कालीसिंध बांध से पानी छोड़ा गया, जबकि बीसलपुर बांध का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को भी 29 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले तीन दिनों में पूर्वी राजस्थान में तेज बारिश की संभावना जताई गई है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में कम बारिश होने की संभावना है।

मुंबई में मराठी भाषा विवाद पर हंगामा, बिजनेसमैन के ऑफिस में तोड़फोड़

मुंबई। मुंबई में मराठी भाषा को लेकर विवाद बढ़ गया है। शनिवार सुबह महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के कार्यकर्ताओं ने इन्वेस्टर सुशील केडिया के वर्ली स्थित ऑफिस में तोड़फोड़ कर दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राज ठाकरे के समर्थन में नारे भी लगाए। पुलिस ने मामले में MNS के 5 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। यह हमला उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की संयुक्त रैली से कुछ घंटे पहले हुआ। दरअसल, केडिया ने 3 जुलाई को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि वे मुंबई में 30 साल रहने के बाद भी मराठी नहीं सीखेंगे। इसके बाद MNS नेता संदीप देशपांडे ने उन्हें चेतावनी दी थी कि महाराष्ट्र में मराठी का अपमान करने पर तमाचा पड़ेगा। ऑफिस में तोड़फोड़ के बाद शनिवार को सुशील केडिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर राज ठाकरे और मराठी भाषी लोगों से माफी मांगी है।

केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के लिए नए नियम जारी किए

-90 दिन में होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

दिल्ली। केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और निगरानी के लिए यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नए नियमों के तहत देशभर की वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल और डेटाबेस पर दर्ज किया जाएगा।

अब वक्फ संपत्ति का प्रबंधक (मुतवल्ली) अपने मोबाइल नंबर और ईमेल के जरिए OTP से लॉगिन कर संपत्तियों का विवरण पोर्टल पर अपलोड करेगा। नई वक्फ संपत्ति बनने पर 3 महीने के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। वक्फ बोर्ड पोर्टल पर वक्फ का रजिस्टर भी बनाए रखेगा।

इन नियमों के तहत केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी तय की गई है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव स्तर का अधिकारी पोर्टल की निगरानी करेगा, जबकि राज्यों को भी नोडल अधिकारी नियुक्त करने होंगे।

पोर्टल में रियल-टाइम मॉनिटरिंग, कोर्ट केस, विवाद निपटारा, ऑडिट रिपोर्ट, वित्तीय निगरानी और सर्वे से जुड़ी जानकारियां भी दर्ज होंगी। राज्य सरकार को 90 दिन में वक्फ की सूची पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। जरूरत पड़ने पर 90 दिन का अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन देरी का कारण बताना होगा।

यह नियम वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत बनाए गए हैं, जो 8 अप्रैल 2025 से लागू हो चुके हैं।

नेशनल हेराल्ड केस: सोनिया गांधी ने कहा- कर्ज चुकाना हमारा हक, मनी लॉन्ड्रिंग नहीं

दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में कहा कि AJL (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) का कर्ज चुकाना एक वैध कारोबारी फैसला था। हर कंपनी को अपना कर्ज उतारने का अधिकार है, और हमने भी वही किया है। AJL की संपत्ति का स्वामित्व अभी भी वहीं है, कोई ट्रांसफर नहीं हुआ।

सिंघवी ने कहा कि AJL के 90 करोड़ रुपए के कर्ज को यंग इंडियन नाम की गैर-लाभकारी कंपनी ने लिया ताकि AJL कर्ज मुक्त हो सके। इसमें न कोई लेन-देन है, न धन का दुरुपयोग, इसलिए यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं बनता।

उन्होंने सवाल किया कि अगर टाटा या बिरला जैसे बड़े कारोबारी घराने AJL का कर्ज चुकाते, तब भी क्या मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगता? उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई अधिकृत शिकायत दर्ज नहीं हुई, और सुब्रमण्यम स्वामी इस केस में अधिकृत नहीं हैं।

ED का आरोप: गांधी परिवार ने 2000 करोड़ की संपत्ति पर कब्जा किया

वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ED) का आरोप है कि गांधी परिवार ने यंग इंडियन कंपनी के जरिए AJL की 2000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है। एजेंसी का कहना है कि सोनिया और राहुल गांधी यंग इंडियन के लाभार्थी हैं और उन्होंने धोखे से AJL पर नियंत्रण प्राप्त किया है।

अगली सुनवाई में राहुल गांधी की दलीलें सुनी जाएंगी

स्पेशल जज विशाल गोगने ने सोनिया गांधी की दलीलें सुनने के बाद अब अगली सुनवाई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दलीलों को सूचीबद्ध किया है।

जयपुर ज्वेलरी शो में दिलजीत दोसांझ का बेशकीमती पटियाला नेकलेस चर्चा में

जयपुर। जयपुर में चल रहे ज्वेलर्स एसोसिएशन शो (JAS) में मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का पहना पटियाला नेकलेस लोगों का ध्यान खींच रहा है। दिलजीत ने यह नेकलेस मेट गाला 2025 के दौरान न्यूयॉर्क में पहना था।

इस नेकलेस को जयपुर के गोलछा ज्वेलर्स ने तैयार किया है, जिसे बनाने में 4 महीने से ज्यादा का समय लगा। यह डिजाइन पटियाला के राजा भूपेंद्र सिंह की ज्वेलरी से इंस्पायर्ड है। इस सेट को ज्वेलर ने नॉट फॉर सेल रखा है।

जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में शुक्रवार से शुरू हुए तीन दिवसीय शो में देश-विदेश से 2 हजार से ज्यादा व्यापारी शामिल हुए हैं। यहां जयपुर के बड़े ज्वेलर्स अपनी एंटीक और खास कारीगरी वाली ज्वेलरी शोकेस कर रहे हैं। शो में कई ऐसी ज्वेलरी भी दिखाई जा रही है, जिन्हें देश के अलग-अलग आर्ट और ट्रेडिशनल डिजाइनों के साथ मर्ज कर तैयार किया गया है।

हमास सीजफायर पर बातचीत को तैयार, इजराइल ने पहले ही मंजूरी दी

फिलिस्तीन। फिलिस्तीन के सांगठन हमास ने कहा है कि वह इजराइल के साथ 60 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव पर तुरंत बातचीत करने को तैयार है। यह प्रस्ताव कतर ने दिया था। इजराइल ने भी इस प्रस्ताव को दो दिन पहले मंजूरी दे दी थी। हालांकि, पहले भी कई बार दोनों पक्ष समझौते के करीब पहुंचे, लेकिन आखिरी समय में बात नहीं बन सकी थी।

56 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

इजराइल और हमास के बीच 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुई जंग में अब तक 56 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। लाखों लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

ट्रम्प ने चेतावनी दी थी

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है हमास इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेगा, वरना उनके लिए हालात और खराब हो जाएंगे।

सीजफायर प्रस्ताव में क्या है

10 जीवित इजराइली बंधकों की रिहाई।

18 मृत इजराइली बंधकों के शव लौटाना।

60 दिनों का युद्धविराम, जिसके दौरान जंग खत्म करने पर बातचीत होगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

कॉलेजियम व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी

अब हाईकोर्ट कॉलेजियम से आए नामों की सामान्य जांच के अलावा, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम अभ्यर्थियों के साक्षात्कार भी ले रहा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति प्रक्रिया को अभ्यर्थियों की सामान्य जांच के अलावा इंटरव्यू से भी जोड़ दिया है। गत दिनों हाईकोर्ट जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नकदी प्रकरण और जस्टिस शेखर यादव के विवादित बयानों ने लोगों के बीच न्यायपालिका के प्रति विश्वास को थोड़ा डगमगा दिया है। जवाब में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जजों नियुक्ति प्रक्रिया रबदली है। अब हाईकोर्ट कॉलेजियम से आए नामों की सामान्य जांच के अलावा, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम अभ्यर्थियों के साक्षात्कार भी ले रहा है।

यह कदम भ्रष्टाचार और न्यायपालिका को लेकर उठने वाले विवादों की रोकथाम की दिशा में सार्थक प्रयास कहा जा सकता है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या इतना भर ही काफी होगा? क्या भारत को न्यायिक नियुक्तियों को लेकर वैश्विक मॉडल को अपनाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए? हमारे देश में न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम प्रणाली के तहत होती है, जो सुप्रीम कोर्ट के 1993 और 1998 के फैसलों से विकसित हुई। यह प्रणाली, भी पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर यदा-कदा आलोचना का शिकार होती रही है। अमरीका में संघीय न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा नामांकन और सीनेट की मंजूरी से होती है, जिसमें सार्वजनिक सुनवाई और गहन जांच शामिल होती है। हालांकि इस प्रणाली में भी राजनीतिक दखल की आशंका बनी रहती है। यूरोप में, विशेषकर यूनाइटेड किंगडम में, स्वतंत्र न्यायिक नियुक्ति आयोग जजों का चयन करता है, जिसमें योग्यता, अनुभव और चरित्र की कठोर जांच होती है। भारत में वर्ष 2014 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की स्थापना 99वें संविधान संशोधन के तहत की गई थी, जिसमें सरकार और न्यायपालिका के बीच संतुलन बनाने का प्रयास था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में इसे असंवैधानिक घोषित कर कॉलेजियम प्रणाली को ही बरकरार रखा। यह कहा जा रहा था कि संरचना में हस्तक्षेप की आशंका रहने से ऐसा आयोग न्यायपालिका की स्वतंत्रता को खतरे में डाल सकता था। फिर भी यह कहा जा सकता है कि कॉलेजियम प्रणाली में सुधार की जरूरत है।

चयन प्रक्रिया को सार्वजनिक करने, अभ्यर्थियों की योग्यता और पृष्ठभूमि की जांच के स्पष्ट मानदंड तो हो हीं एक स्वतंत्र निगरानी समिति गठित की जाए, जो न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और अनैतिक व्यवहार की शिकायतों की जांच करे। निचली अदालतों से लेकर हाईकोर्ट तक भर्ती प्रक्रिया में योग्यता-आधारित प्रतियोगी परीक्षा और साक्षात्कार शामिल करने होंगे। मोटे तौर पर भारत में जजों के चयन की ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही का संतुलन बनाने का काम करे। इससे न केवल त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित होगा बल्कि न्यायपालिका को जनता की आस्था का प्रतीक भी बनाया जा सकेगा।

मेक इन इंडिया; क्या भारत का आर्थिक पुनरुद्धार सही दिशा में है

- रोजगार, निवेश और आत्मनिर्भरता: कितनी सफल रही मेक इन इंडिया योजना?

भारत एक युवा और महत्वाकांक्षी देश है, जो दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाना चाहता है। जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मेक इन इंडिया' योजना की शुरुआत की थी, तब देश में एक नई उम्मीद जगी थी कि भारत अब केवल एक उपभोक्ता देश नहीं रहेगा, बल्कि एक मजबूत उत्पादक और निर्यातक देश बनेगा। इस योजना का उद्देश्य देश में विनिर्माण को बढ़ावा देना, विदेशी निवेश आकर्षित करना और युवाओं को रोजगार देना था।

आज जब इस योजना को एक दशक पूरा होने जा रहा है, यह देखना ज़रूरी है कि इस योजना ने वास्तव में भारत के आर्थिक विकास में कितनी भूमिका निभाई है। इस योजना के बाद भारत में मोबाइल निर्माण में काफी उछाल आया है।

आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है। एप्पल, सैमसंग जैसी कंपनियों ने भारत में निर्माण इकाइयां स्थापित की हैं। इसके अलावा रक्षा क्षेत्र में भी भारत ने स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाया है और ड्रोन, हल्के लड़ाकू विमान और छोटे हथियारों का उत्पादन देश में ही होने लगा है।

इस योजना से भारत में विदेशी निवेश में भी इजाफा हुआ है। हाल के वर्षों में भारत में रिकॉर्ड स्तर पर विदेशी पूंजी आई है, जिससे उद्योगों को नई ऊर्जा मिली है। विनिर्माण क्षेत्र में निवेश ने देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ाए हैं। हालांकि, जितना बड़ा रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया था, उतना पूरा नहीं हो सका, लेकिन लाखों लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं, यह एक सच्चाई है।

'मेक इन इंडिया' ने भारत में उत्पादन संस्कृति को फिर से जीवित करने का काम किया है। युवाओं और उद्यमियों में आत्मनिर्भरता की भावना जागी है और स्टार्टअप संस्कृति ने भी देश में तेज़ी पकड़ी है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा उपकरणों और खिलौनों के क्षेत्र में भी देश ने उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

फिर भी, यह कहना कि 'मेक इन इंडिया' पूरी तरह सफल हो गई है, जल्दबाज़ी होगी। इस योजना के तहत जो सबसे बड़ा लक्ष्य था, यानी विनिर्माण क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 25% तक पहुंचाना, वह अब भी पूरा नहीं हो सका है। तकनीकी और कुशल श्रमिकों की कमी, लॉजिस्टिक्स की अधिक लागत और नीतियों के कार्यान्वयन में राज्यों के बीच असमानता इस योजना की बड़ी चुनौतियां बनी रहीं। छोटे और मझोले उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच अपने अस्तित्व की लड़ाई भी लड़नी पड़ रही है, जिसके कारण उनकी स्थिति मजबूत नहीं हो पाई है।

इस बीच वैश्विक परिस्थितियों ने भी इस योजना को प्रभावित किया। कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन ने उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला पर गहरा असर डाला। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे उत्पादन लागत बढ़ी और लाभ सीमित हुआ। चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में अभी भी भारत को लंबा रास्ता तय करना है, क्योंकि चीन की उत्पादन लागत और उसकी आपूर्ति श्रृंखला आज भी भारत से कहीं अधिक सक्षम है।

फिर भी, इस योजना ने देश में उत्पादन और आत्मनिर्भरता की सोच को मजबूत किया है। इससे पहले भारत में जो चीजें केवल आयात पर निर्भर थीं, अब उनमें से कई चीजें देश में बनने लगी हैं। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भी देश में निवेश और उत्पादन को बढ़ाने में मदद की है। अब जरूरत इस बात की है कि भारत में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को और तेज़ किया जाए, लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे में सुधार किया जाए ताकि उत्पादन की लागत कम हो सके।

इस योजना की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि देश अनुसंधान और नवाचार को कितनी प्राथमिकता देता है। भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजार में टिकने के लिए गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा के स्तर को बनाए रखना होगा। इसके साथ ही उत्पादन में हरित तकनीकों को अपनाना और क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करना भी ज़रूरी होगा ताकि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी उद्योग स्थापित हो सकें।

'मेक इन इंडिया' केवल एक योजना नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने की एक मजबूत कड़ी है। इसके माध्यम से भारत ने दुनिया को यह दिखाया है कि वह उत्पादन में भी अपनी जगह बना सकता है। यह योजना भारत की आर्थिक आज़ादी और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे हमें मिलकर और आगे बढ़ाना होगा। अगर सरकार, उद्योग और समाज साथ मिलकर इसकी चुनौतियों पर काम करें, तो यह योजना देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा सकती है, और 2047 तक विकसित भारत का सपना हकीकत में बदल सकता है।

मेक इन इंडिया का उद्देश्य

विनिर्माण क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 16% से बढ़ाकर 25% करना। 10 करोड़ रोजगार सृजन करना। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) को आकर्षित करना। 'इज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को बेहतर बनाना। आयात पर निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भरता बढ़ाना। निर्यात को तेज गति से बढ़ाना।

यह योजना 25 क्षेत्रों (ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, खनन, बायोटेक्नोलॉजी आदि) में लागू की गई थी।

अब तक की उपलब्धियां

FDI में वृद्धि: 2014 के बाद भारत ने FDI आकर्षित करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। 2023-24 में भारत ने लगभग $88 बिलियन का FDI आकर्षित किया। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण और ऑटोमोबाइल में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया से निवेश आया।

मोबाइल निर्माण में सफलता: भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है। एप्पल, सैमसंग जैसी कंपनियों ने उत्पादन यूनिट्स भारत में लगाई हैं।

रक्षा उत्पादन में प्रगति: भारत में रक्षा उपकरणों का स्वदेशी उत्पादन बढ़ा है। ड्रोन, हल्के लड़ाकू विमान और छोटे हथियारों का निर्माण तेज़ी से बढ़ रहा है।

रोजगार सृजन: औपचारिक व अनौपचारिक क्षेत्रों में मेक इन इंडिया से जुड़े विनिर्माण में रोजगार बढ़ा, हालांकि आंकड़े मिश्रित हैं। 10 करोड़ रोजगार का लक्ष्य अभी दूर है, पर लाखों रोजगार निश्चित रूप से जुड़े हैं। निर्यात में वृद्धि: भारत का मैन्युफैक्चरिंग निर्यात बढ़ा है। 2024-25 में भारत का कुल माल निर्यात $458 बिलियन तक पहुंच गया, जिसमें फार्मा, टेक्सटाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स का योगदान अहम रहा।

चुनौतियां और कमियां

जीडीपी में योगदान कम: निर्माण क्षेत्र का जीडीपी में योगदान अभी भी 17-18% के आसपास है। 25% का लक्ष्य दूर है। स्किल गैप: तकनीकी कुशल श्रमिकों की कमी एक बड़ी चुनौती रही। उद्योग को जिस स्तर के कुशल श्रमिकों की आवश्यकता थी, वैसी स्किल अपग्रेडेशन की गति धीमी रही।

लघु उद्योगों पर दबाव: बड़ी विदेशी कंपनियों के आगमन से छोटे भारतीय उद्योगों पर प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ा, जिससे कुछ पारंपरिक उद्योग कमजोर हुए। लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर: बिज़नेस करना आसान हुआ, लेकिन लॉजिस्टिक्स की लागत चीन और वियतनाम की तुलना में अभी भी अधिक है। नीति और कार्यान्वयन का अंतर: नीतियां बनीं, लेकिन राज्यों में उनका कार्यान्वयन समान रूप से नहीं हो सका। कई राज्यों में निवेशक अनुकूल माहौल नहीं बन सका।

वैश्विक चुनौतियां

कोविड-19 महामारी: लॉकडाउन से उत्पादन और सप्लाई चेन पर असर पड़ा। यूक्रेन युद्ध: कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ीं, जिससे उत्पादन लागत प्रभावित हुई। चीन की सस्ती आपूर्ति: चीन से प्रतिस्पर्धा अभी भी चुनौती है।

सकारात्मक संकेत

PLI स्कीम (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना): मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, सौर उपकरणों में PLI स्कीम ने निवेश और उत्पादन को तेज किया है। उद्यमियों में आत्मनिर्भरता की सोच बढ़ी।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण: भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी उत्पादन में तेजी ला रहा है। स्टार्टअप कल्चर: निर्माण से जुड़े स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं।

सफलता के कुछ क्षेत्र

मोबाइल निर्माण में भारत ने चीन से आयात घटाया और निर्यात बढ़ाया। ड्रोन तकनीक में आत्मनिर्भरता में प्रगति। खिलौना निर्माण में भारतीय उत्पादन बढ़ा, चीन पर निर्भरता घटी। सौर पैनल निर्माण में भारत ने घरेलू निर्माण को प्रोत्साहित किया।

असफलता के कुछ क्षेत्र

टेक्सटाइल सेक्टर में वैश्विक प्रतिस्पर्धा के कारण अपेक्षित प्रगति नहीं। कंप्यूटर चिप और सेमीकंडक्टर निर्माण में लक्ष्य से पीछे। रोजगार सृजन में लक्ष्य का लगभग 40% ही हासिल हुआ।

कश्मीर में हालात सामान्य होने का दावा, हकीकत क्या कहती है ?

पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार और प्रशासन कश्मीर में हालात के सामान्य होने का दावा करते आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि अब घाटी में पत्थरबाजी की घटनाएं कम हो गई हैं, पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, आतंकी घटनाओं में गिरावट आई है और विकास की गति तेज हुई है। मगर क्या कश्मीर की सड़कों पर चहल-पहल, गुलमर्ग और पहलगाम में घूमते सैलानी, नए खुले हुए कॉफी शॉप और चमकती सड़कों का मतलब यह है कि वहां हालात पूरी तरह सामान्य हो चुके हैं?

सच यह है कि कश्मीर एक ऐसा मसला है, जिसे सिर्फ बाहरी तस्वीर देखकर नहीं समझा जा सकता। वहां की हकीकत को जानने के लिए घाटी की गलियों में, दूरदराज के गांवों में, स्थानीय लोगों की बातों में और उनकी खामोश नजरों में झांक कर देखना पड़ता है।

370 हटने के बाद का नया कश्मीर

5 अगस्त 2019 को जब अनुच्छेद 370 और 35A को हटाया गया, तब सरकार ने कहा था कि यह कदम कश्मीर में शांति, विकास और आतंकवाद के खात्मे की दिशा में बड़ा कदम होगा। इसके बाद कुछ समय तक भारी पाबंदियां रहीं, संचार सेवाएं बंद कर दी गईं, नेताओं को नजरबंद कर दिया गया, इंटरनेट बंद रहा। धीरे-धीरे पाबंदियां हटीं, इंटरनेट चालू हुआ, राजनीतिक गतिविधियां सीमित रूप में लौटने लगीं।

अब प्रशासन दावा करता है कि 370 हटने के बाद कश्मीर में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है, निवेश आ रहा है, पर्यटक बड़ी संख्या में आने लगे हैं, रोजगार के अवसर बढ़े हैं। मगर हाल ही में जिस तरह दक्षिण कश्मीर और जम्मू के डोडा, किश्तवाड़ में आतंकी घटनाएं बढ़ी हैं, उससे तस्वीर का दूसरा पहलू भी उजागर होता है।

पर्यटक तो आए, मगर डर बाकी है

पिछले साल कश्मीर में रिकॉर्ड सैलानी पहुंचे। गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम जैसे इलाकों में होटल फुल रहने लगे। शिकारे फिर से डल झील में सैलानियों को घुमाने लगे। सरकार ने इसे "नया कश्मीर" का प्रतीक बताया। यह सही है कि पर्यटक लौटे हैं, मगर स्थानीय लोगों के मन में अभी भी डर बाकी है।

घाटी के युवाओं के लिए रोजगार का संकट बना हुआ है। पर्यटक लौटने के बाद जो होटल, टैक्सी, गाइड को रोजगार मिलता है, वह अस्थायी होता है। सरकारी नौकरियों में नई भर्तियों की रफ्तार धीमी है। प्राइवेट सेक्टर की मौजूदगी अभी भी सीमित है। जो युवा पढ़े-लिखे हैं, उनके लिए स्थायी रोजगार का विकल्प अब भी नहीं बन पाया है।

सुरक्षा बलों की मौजूदगी, आम लोगों का असंतोष

घाटी में जगह-जगह चेकप्वाइंट, बंकर और सुरक्षा बलों की तैनाती यह बताती है कि हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हैं। सुरक्षा के नाम पर आम नागरिकों की तलाशी, पहचान पत्र की जांच और आए दिन घरों में तलाशी अभियान से लोगों में असहजता बनी रहती है।

कश्मीर के कई लोग कहते हैं कि "सन्नाटा अमन नहीं होता।" कर्फ्यू या इंटरनेट बंद कर देने से अगर हिंसा कम भी हो जाए, तो यह स्थायी शांति नहीं कहलाती। असली शांति तब होगी जब लोगों के दिल से डर निकले, उन पर भरोसा किया जाए, और उन्हें भी भरोसा हो कि उनकी आवाज को सुना जाएगा।

राजनीतिक प्रक्रिया की धीमी वापसी

370 हटने के बाद कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं हुए। पिछले साल राज्य का दर्जा फिर से देने और चुनाव कराने की बातें हुईं, मगर अब तक उस पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ। इस बीच परिसीमन प्रक्रिया भी पूरी की गई, जिस पर स्थानीय दलों ने सवाल उठाए।

राजनीतिक दलों का कहना है कि अगर हालात वाकई सामान्य हो गए हैं, तो फिर चुनाव कराने में देरी क्यों? कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली ही असली सामान्य स्थिति का प्रतीक होगी। सिर्फ प्रशासक के जरिए सरकार चलाना या नाम मात्र की पंचायत चुनाव कराना स्थायी समाधान नहीं है।

हालिया आतंकी घटनाएं और बढ़ती चिंताएं

जम्मू-कश्मीर में बीते कुछ महीनों में डोडा, राजौरी, पुंछ जैसे इलाकों में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं। अमरनाथ यात्रा के दौरान आतंकियों ने बस पर हमला कर दिया। सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा एजेंसियों की सख्ती और तकनीकी निगरानी के बावजूद आतंकवाद की जड़ें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिशें की जा रही हैं।

रोजगार, शिक्षा और मनोवैज्ञानिक असर

कश्मीर में लंबे समय तक अस्थिरता रहने से बच्चों की शिक्षा सबसे अधिक प्रभावित हुई है। कभी बंद, कभी इंटरनेट बंदी, कभी सुरक्षा कारणों से स्कूल बंद होने से शिक्षा में निरंतरता नहीं रह पाई।

युवाओं के सामने रोजगार की कमी और राजनीतिक अनिश्चितता के कारण उनका मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हुआ है। अवसाद, चिंता और भविष्य को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

हज यात्रा में डिजिटल बदलाव भारतीय हज यात्रियों की नई चुनौतियाँ

हज इस्लाम का एक अहम फर्ज है, जिसे हर सामर्थ्य रखने वाला मुसलमान अपनी जिंदगी में एक बार जरूर अदा करना चाहता है। भारत से हर साल हजारों की तादाद में मुसलमान हज के लिए सऊदी अरब रवाना होते हैं। यह यात्रा इबादत के साथ-साथ सब्र और अनुशासन का इम्तिहान भी होती है। बीते कुछ वर्षों में हज यात्रा में डिजिटल बदलाव ने व्यवस्थाओं को ज्यादा पारदर्शी, व्यवस्थित और तेज बनाया है। ई-विजा, ऑनलाइन पंजीकरण, मोबाइल ऐप्स, डिजिटल भुगतान और स्मार्ट ट्रैकिंग जैसी व्यवस्थाओं ने हज यात्रियों की सहूलियतों को बढ़ाया है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय हज यात्रियों के सामने कुछ नई चुनौतियाँ भी खड़ी हुई हैं, जिन पर बात करना बेहद जरूरी है ताकि यह पवित्र यात्रा हर यात्री के लिए आसान, सुरक्षित और सम्मानजनक बने।

हज यात्रा में डिजिटल बदलाव की शुरुआत ई-विजा और ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया से हुई, जिसमें यात्रियों को हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट और मोबाइल ऐप्स के जरिए घर बैठे आवेदन करने की सुविधा दी गई। इसके बाद सऊदी अरब ने स्मार्ट कार्ड और ई-ब्रेसलेट देना शुरू किया, जिनमें यात्री की पहचान, स्वास्थ्य और लोकेशन की जानकारी मौजूद रहती है। 'नुसुक' जैसे मोबाइल ऐप्स ने यात्रियों को मक्का और मदीना में भीड़ प्रबंधन, आवागमन और जियारत की जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध कराई। इसके अलावा, डिजिटल भुगतान और कैशलेस व्यवस्था ने यात्रियों को स्थानीय मुद्रा की समस्या से काफी हद तक निजात दिलाई। भारतीय हज मिशन ने भी यात्रियों की शिकायतों और उनकी लोकेशन मॉनिटर करने के लिए डिजिटल डैशबोर्ड का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, जिससे त्वरित सहायता देना आसान हो गया है।

हज यात्रा में डिजिटल बदलाव क्या हैं?

सऊदी अरब ने पिछले कुछ वर्षों में हज और उमराह के संचालन में डिजिटल तकनीकों का उपयोग बढ़ा दिया है। इनमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

ई-विजा और ऑनलाइन पंजीकरण- अब हज यात्रा के लिए ई-विजा प्रणाली लागू कर दी गई है, जिससे कागजी कार्यवाही कम हुई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट और मोबाइल ऐप से पंजीकरण की प्रक्रिया डिजिटल कर दी गई है।

स्मार्ट कार्ड और ई-ब्रेसलेट- हज यात्रियों को स्मार्ट आईडी कार्ड और ई-ब्रेसलेट दिए जा रहे हैं, जिनमें यात्री की पहचान, स्वास्थ्य जानकारी और लोकेशन ट्रैकिंग की सुविधा होती है।

'नुसुक' ऐप और डिजिटल गाइडेंस- सऊदी सरकार ने 'नुसुक' (पहले ई-हज) जैसे ऐप्स के माध्यम से भीड़ प्रबंधन, मार्गदर्शन, मक्का और मदीना में आने-जाने, और जियारत की जानकारी डिजिटल माध्यम से देना शुरू किया है।

कैशलेस व्यवस्था- सऊदी अरब में कई जगहों पर भुगतान डिजिटल मोड में होने लगा है, जिसमें कार्ड और ई-वॉलेट का प्रयोग बढ़ रहा है।

हज मिशन की मॉनिटरिंग भी डिजिटल

भारत का हज मिशन अब यात्रियों की समस्याओं, लोकेशन और स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी तुरंत प्राप्त करने के लिए डिजिटल डैशबोर्ड का उपयोग कर रहा है।

डिजिटल बदलाव के लाभ

पारदर्शिता और भ्रष्टाचार में कमी: डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन पंजीकरण से बिचौलियों की भूमिका कम हुई है, जिससे यात्रियों को सही कीमत पर सेवाएं मिल रही हैं।

सुविधाजनक और त्वरित प्रक्रिया: पहले हज पंजीकरण के लिए लंबी लाइनें, फार्म जमा करना और अनुमोदन की प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब घर बैठे मोबाइल पर पंजीकरण और ई-विजा मिलना आसान हो गया है।

यात्रियों की सुरक्षा में वृद्धि: स्मार्ट कार्ड और ट्रैकिंग से किसी यात्री के खो जाने पर उसे तुरंत ढूंढा जा सकता है। आपात स्थिति में स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचना आसान हो गया है।

सूचना का त्वरित प्रसार: नुसुक ऐप और व्हाट्सएप जैसे डिजिटल चैनलों से यात्रियों को तुरंत किसी भी बदलाव, चेतावनी या मार्गदर्शन की जानकारी दी जा सकती है।

मिशन प्रबंधन में सरलता: भारत का हज मिशन और राज्य हज समितियां अब डेटा के आधार पर भीड़ प्रबंधन, बसों की सुविधा और आवास आवंटन को प्रभावी ढंग से कर पा रही हैं।

भारतीय हज यात्रियों के सामने नई चुनौतियाँ

हालांकि डिजिटल बदलाव हज यात्रा में सहूलियत लेकर आए हैं, लेकिन भारतीय हज यात्रियों के लिए ये कुछ नई चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रहे हैं:

डिजिटल साक्षरता की कमी- भारत के छोटे कस्बों और गांवों से जाने वाले हज यात्रियों में बड़ी संख्या बुजुर्गों और तकनीकी रूप से अनभिज्ञ लोगों की होती है। उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण, ई-विजा डाउनलोड, ऐप्स का इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान में कठिनाई होती है।

भाषा की बाधा- नुसुक और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म अधिकतर अरबी या अंग्रेजी में होते हैं। हिंदी, उर्दू या स्थानीय भारतीय भाषाओं में इनका अभाव यात्रियों को सीमित कर देता है। बहुत से बुजुर्ग यात्री अरबी और अंग्रेजी समझने में कठिनाई महसूस करते हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी का खतरा- डिजिटल भुगतान और ई-विजा प्रक्रिया के दौरान फर्जी वेबसाइट और दलाल सक्रिय हो जाते हैं, जो यात्रियों से पैसे वसूल कर उन्हें गलत जानकारी या फर्जी टिकट/वीजा दे देते हैं। कम डिजिटल जागरूकता वाले यात्री इनके जाल में फंस जाते हैं।

तकनीकी खराबी और साइबर समस्याएँ- ई-विजा डाउनलोड न होना, ऐप्स में लॉगिन समस्या, क्यूआर कोड न स्कैन होना जैसी समस्याएं हज यात्रियों को एयरपोर्ट से लेकर मक्का-मदीना में परेशानी में डाल देती हैं।

हालांकि, इन बदलावों से लाभ मिलने के साथ ही भारतीय यात्रियों के लिए कई नई मुश्किलें भी सामने आई हैं। भारत के छोटे शहरों और गांवों से जाने वाले हज यात्रियों में बड़ी संख्या बुजुर्गों की होती है, जो स्मार्टफोन और डिजिटल प्रक्रिया में सहज नहीं होते। ऑनलाइन पंजीकरण, ई-विजा डाउनलोड, मोबाइल ऐप्स का इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया उनके लिए चुनौती बन जाती है। कई बार भाषा भी बाधा बनती है क्योंकि नुसुक और अन्य ऐप्स अधिकतर अरबी या अंग्रेजी में होते हैं, जिनका इस्तेमाल हर यात्री के लिए आसान नहीं होता। इंटरनेट और स्मार्टफोन पर निर्भरता बढ़ जाने से ऐसे यात्री दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं और कई बार गलत जानकारी या मददगार न मिलने की स्थिति में परेशान होते हैं। डिजिटल बदलाव की इस प्रक्रिया में साइबर धोखाधड़ी और फर्जी वेबसाइटों का खतरा भी बढ़ गया है। डिजिटल फ्रॉड करने वाले लोग फर्जी वेबसाइट बनाकर यात्रियों से पैसे वसूल कर लेते हैं और उन्हें फर्जी टिकट या गलत वीजा थमा देते हैं, जिससे उनका पूरा हज सफर खतरे में पड़ जाता है।

तकनीकी समस्याएँ जैसे ई-विजा डाउनलोड न होना, ऐप्स में लॉगिन में समस्या आना, क्यूआर कोड स्कैन न होना, या मोबाइल ऐप्स का अचानक बंद हो जाना यात्रियों के लिए एयरपोर्ट से लेकर मक्का-मदीना तक कई बार बड़ी समस्या बन जाती हैं। भीड़ और गर्मी के माहौल में ऐसे समय यात्री मानसिक रूप से भी परेशान हो जाते हैं। इसके अलावा, हज यात्रा के दौरान कैशलेस लेन-देन बढ़ जाने से भी कई यात्री खुद को असहज महसूस करते हैं क्योंकि उन्हें नकदी पर निर्भर रहने की आदत होती है।

इन समस्याओं को देखते हुए भारत सरकार और हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यात्रियों के लिए कई कदम उठाए हैं ताकि डिजिटल बदलाव की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके। हज प्रशिक्षण शिविरों में यात्रियों को मोबाइल ऐप्स इस्तेमाल करना, ऑनलाइन प्रक्रिया समझना और डिजिटल भुगतान करना सिखाया जा रहा है।

हज कमेटी ने हिंदी और उर्दू में हज मोबाइल ऐप्स लॉन्च किए हैं, जिनमें पंजीकरण से लेकर फ्लाइट की जानकारी और दिशा-निर्देश तक दिए जा रहे हैं। राज्य हज समितियां हेल्पलाइन और वॉट्सऐप हेल्प सपोर्ट शुरू कर चुकी हैं, ताकि यात्रियों को तत्काल सहायता दी जा सके। फर्जी वेबसाइटों और दलालों से बचने के लिए यात्रियों में जागरूकता फैलाई जा रही है और उन्हें सिखाया जा रहा है कि केवल आधिकारिक वेबसाइट और ऐप्स का ही उपयोग करें।

हज मिशन में 'खादिम-उल-हुज्जाज' के तौर पर वालंटियर्स की तैनाती भी की जाती है, जो बुजुर्ग यात्रियों की हर प्रकार की मदद करते हैं, विशेषकर डिजिटल प्रक्रिया में उन्हें मार्गदर्शन देने का काम करते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के गरीब व वंचित वर्ग के जीवन में आया बदलाव

-शिविरों में आमजन का विश्वास बदलते राजस्थान की तस्वीर- भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से वंचित वर्ग को आवास, बिजली, शौचालय, गैस कनेक्शन और बैंक खाते जैसी कई सुविधाएं मिली हैं, जिससे उनका जीवन स्तर ऊपर उठा है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश के 94 करोड़ से अधिक लोगों को किसी ना किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है।

शेखावत शनिवार को जोधपुर जिले की शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सोइंतरा ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद दुनिया में भारत का गौरव और सम्मान बढ़ा है। आज का भारत समर्थ और सशक्त भारत है। हमने पहलगाम में निर्दोष लोगों की जान लेने वाले आतंकियों को घर में घुसकर मारा और दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य की डबल इंजन की सरकार ने पानी की उपलब्धता हेतु पूर्वी राजस्थान के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना और शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाने सहित कई कदम उठाए हैं, जिससे भविष्य में प्रदेश में पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा राजस्थान को पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया गया, मगर भ्रष्टाचार के कारण ठीक प्रकार से कार्य नहीं हो सका।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्त्योदय की भावना के साथ किए जा रहे कार्यों से हमारा प्रदेश पूरे देश में समावेशी विकास का रोल मॉडल बनेगा। हमारा प्रयास है कि समाज का कोई भी व्यक्ति या परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविरों में लोगों के चहरों पर नजर आ रहा विश्वास बदलते राजस्थान की तस्वीर है, जिसमें शासन और प्रशासन आमजन के द्वार आ रहे हैं और समाज में अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को आगे लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में बिजली, पानी, रोजगार एवं उद्योग क्षेत्र की प्रगति के लिए कई कदम उठाए हैं। किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराना तथा युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां देना हमारा लक्ष्य है। शर्मा ने कहा कि जोधपुर उस ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक है, जिसने मरुभूमि की आत्मा को सदियों से संजोया है। शेरगढ़ की धरती ने अपने नाम को सार्थक करते हुए हर युद्ध, हर अभियान में अपने शेर दिल सपूत मातृभूमि की सेवा के लिए भेजे हैं। गांवों को गरीबी मुक्त करने के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान-

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविरों में भूमि-संबंधी विवादों का समाधान होने के साथ ही लोगों को अपनी भूमि का स्पष्ट स्वामित्व मिल रहा है। किसान भाई-बहनों के लिए पौध वितरण, मृदा नमूनों के संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को मंगला पशु बीमा का लाभ देने के साथ ही पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड वितरित कर मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने की व्यवस्था की जा रही है। शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत 10 हजार गांवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। हमनें पहले चरण में 5 हजार गांवों को गरीबी मुक्त करने के लिए 300 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है।

विद्या भारती द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

-बौद्धिक और शारीरिक रूप में राष्ट्र को समृद्ध करने वाली शिक्षा की जरूरत -राज्यपाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राष्ट्र को बौद्धिक और शारीरिक रूप में सुदृढ़ करना आज के दौर की सर्वाधिक जरूरत है। विद्या भारती के शिक्षण संस्थान देश में इसी के लिए कार्य करते हैं। एलन मस्क के कहे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका को भी आज भारतीय इंजीनियरों की आवश्यकता है।

राज्यपाल बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित विद्या भारती के प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने ही जीरो की संख्या विश्वभर को दी। इसी से आगे की गिनती प्रारंभ हुई। उन्होंने कहा कि शिवकर बापूजी तलपड़े ने 1895 में भारत में पहला हवाई जहाज उड़ाया था पर विमान उड़ाने का श्रेय राइट बंधुओं को मिला।

राज्यपाल ने विनोबा भावे के कहे की चर्चा करते हुए कहा कि जिस दिन देश में आजादी के बाद झंडा बदला गया, उसी दिन देश की शिक्षा नीति में बदलाव होना चाहिए था। शिक्षा का भारतीयकरण होना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मैकाले ने भारत में पश्चिमी शिक्षा पद्धति का प्रसार कर काले अंग्रेज तैयार किए। यह ऐसे हैं जो अपनी गौरवमय परंपरा से विमुख हैं। राज्यपाल ने कहा कि जितने गुरुकुल कभी भारत में थे उतने इंग्लैंड में विद्यालय नहीं थे। गुरुकुल में सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती थी। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में 16 भाषाएं सिखाई जाती थी। आज तो तीसरी भाषा का भी विरोध किया जा रहा है। उन्होंने "पुत सिखावे पालने" कहावत की चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान में तो पालने में ही बच्चों को सिखाना प्रारंभ कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना ही शिक्षाविदों का प्रमुख कार्य होना चाहिए।

बागडे ने जर्मनी की चर्चा करते हुए कहा कि वहां प्राथमिक शिक्षा में सबसे अधिक वेतन मिलता है। शिक्षा की नींव प्राथमिक शिक्षा से ही तैयार होती है।

समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में शिवप्रसाद ने कहा कि विद्या भारती संस्कार निर्माण के लिए देशभर में कार्य करती है। यह सामान्यजन के लिए सामान्यजन द्वारा संचालित किया जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की सोच से कार्य करने की सीख विद्याभारती देती है।

मुख्य अतिथि योगी रमण नाथ महाराज ने कहा कि शिक्षा में आइक्यू की दौड में इक्यू की अवहेलना की जा रही है। इसी से समाज में भावनात्मक संवेदनशीलता का तेजी से अभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि माइंड सेटअप बदलने से ही शिक्षा नीति की सफलता संभव होगी।

जसवंत खत्री ने कहा कि सफलता सार्थकता के साथ जुड़ेगी तभी वह महत्वपूर्ण होगी। पुलिस आयुक्तालय के अतिरिक्त आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप ने लक्ष्य को सर्वोपरि रखते हुए नई पीढ़ी को कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल बागडे ने प्रारंभ में विद्याभारती के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने संस्कार राजस्थान के स्मृति अंक "जयदेव पाठक" का लोकार्पण भी किया। विद्याभारती के अध्यक्ष परमेंद्र दशोरा ने सभी का आभार जताया।

28 खसरे, 35 खातेदार...सहमति से खत्म हुआ 25 साल का इंतजार

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की मौजूदगी में पक्षकारों के बीच बनी सहमति

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल के तहत आयोजित हो रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर आमजन के लिए राहत का दूसरा नाम बन गए हैं। जहां ना केवल आमजन के काम हाथों हाथ हो रहे हैं बल्कि दशकों से राजस्व न्यायालयों में लंबित वाद भी सहमति एवं समझाइश के माध्यम से सुलझ रहे हैं।

ऐसा ही एक ऐतिहासिक वाक्या देखने को मिला जयपुर के चौमूं उपखंड के भूतेड़ा ग्राम पंचायत में, जहां आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर में 25 सालों से 35 खातेदारों के बीच चले आ रहे 28 खसरों की 28 हेक्टेयर से अधिक भूमि विवाद का निस्तारण सभी पक्षकारों की आपसी सहमति से हुआ। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की मौजूदगी में पक्षकारों ने भूमि विभाजन पर सहमति प्रस्तुत की। बरसों पुराने राजस्व विवाद का सौहार्दपूर्ण माहौल में निस्तारण के लिए सभी पक्षकारों ने मुख्यमंत्री भी भजनलाल शर्मा का आभार जताया, साथ ही प्रशासन की इस सकारात्मक पहल की भी सराहना की। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह राठौड़ सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जयपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर में शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को शिविरों के सफल संचालन एवं आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी है साथ ही, शिविरों के सफल संचालन करते हुए ज्यादा से ज्यादा आमजन को राहत पहुंचाने के लिए निर्देशित किया है।

जयपुर जिला प्रशासन द्वारा पखवाड़े के तहत जिले के 16 उपखण्डों की 19 पंचायत समितियों की 461 ग्राम पंचायतों में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन औसतन लगभग 35 ग्राम पंचायत में प्रातः 9:30 बजे से सायं 05:30 बजे तक आयोजित हो रहे शिविरों में 16 विभागों द्वारा 63 कार्य किए जा रहे हैं। शिविरों का आयोजन दिनांक 07 जुलाई तक ग्राम पंचायत मुख्यालय पर एवं दिनांक 8 जुलाई एवं 9 जुलाई को फॉलोअप कैम्प तहसील मुख्यालय पर किया जायेगा। जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के सफल संचालन हेतु प्रशासनिक नोडल अधिकारी, तकनीकी नोडल अधिकारी और उपखंडवार नोडल प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

मदीना सबील कमेटी की पहल सराहनीय है - लोहानी

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। मजदूर नेता अज़ीज़ हबीब लोहानी ने कहा कि मदीना सबील कमेटी की पहल सराहनीय है। लोहानी ने कहा कि मदीना सबील कमेटी मोहर्रम के दौरान प्यासे लोगों को ठंडा पानी और शरबत पिलाने के लिए सबील लगाती है, जो एक बहुत ही नेक काम है।

अनवर तिगाला ने बताया कि सबील पर बज रही कव्वाली "पानी पीओ तो याद करो प्यास इमाम की" बहुत ही भावपूर्ण है और लोगों को हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद दिलाती है।

मदीना सबील कमेटी की विशेषताएं

- मोहर्रम के दौरान सबील लगाना
- प्यासे लोगों को ठंडा पानी और शरबत पिलाना
- सबील में हाथ की कलाकारी चमकी वह फूलों से सजाई जाती है
- सामाजिक सेवा करना

कार्य को अंजाम देने वाले अनवर तिगाला, शाहरुख तिगाला, रफीक साबु नीलगर, हामिद नीलगर, लाल नीलगर, आबिद गोरी मिरिंडा, कालू लोहार, मुस्तकीम तिगाला, रफीक जिंदरान आदि कई लोगों ने सबील के कार्य में भाग लिया।

मदीना सबील कमेटी की गतिविधियों से न केवल लोगों को प्यास और गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि यह कमेटी सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उनकी पहल से लोगों में एकता और भाईचारे की भावना बढ़ती है।

उल्लेखनीय है कि अनवर तिगाला के नेतृत्व में पिछले 37 सालों से सबील लगाई जारही है ।

तिगाला ने बताया कि अच्छी सेवाओं के फलस्वरूप हबीब खान लोहांनी वेलफेयर सोसायटी सहित विधायक आदि सबील को सम्मानित कर चुके है।

खोखर ने किया हरसहाय मीणा और जुगल किशोर मीना का स्वागत

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। जमवारामगढ़ क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री जमील खान खोखर ने अपनी टीम के साथ हरसहाय मीणा और जुगल किशोर मीना का स्वागत किया। दोनों नेताओं को साफा बांधकर और माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया।

स्वागत समारोह में मौजूद रहे नेता

जमील खान खोखर के साथ रहमत खान मिलर, डॉक्टर ताहिर खान, जाहिद खान खोकर, इनायत खान, शेख बुंदू खान और सीलर भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने हरसहाय मीणा और जुगल किशोर मीना को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

जमील खान खोखर की नेतृत्व क्षमता

जमील खान खोखर की नेतृत्व क्षमता और उनकी टीम की एकजुटता ने स्वागत समारोह को सफल बनाया। इससे पहले भी जमील खान खोखर ने हजरत हसन पीर चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह के सालाना मेले में चादर पेश कर अमन चैन की दुआएं की थीं। उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम लगातार सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

राष्ट्रीय महिला आयोग व आरसीडीएफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

-प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश की 48 महिला दुग्ध समितियों की सचिव शामिल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पशुपालन, डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है, इसे अव्वल प्रदेश बनाने की दिशा में डेयरी के साथ-साथ गोपालन व पशुपालन विभाग की ओर से अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। खासकर दुग्ध उत्पादन के लिए गिर गाय में ब्राजील से आयातित सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया जा रहा है। इससे गिर गाय के दूध के उत्पादन में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि होगी। इसके अलावा प्रदेश में गाय की संख्या में बढोतरी के लिए सैक्स सोर्टेड सीमन योजना को लागू किया गया है। ऐसा होने से प्रदेश में गौवंश की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा। वे राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) व राष्ट्रीय महिला आयोग के संयुक्त तत्वावधान में पालमपुर (गुजरात) की बनास डेयरी परिसर में तीन दिवसीय महिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे।

डेयरी मंत्री कुमावत ने कहा कि प्रदेश के चार जिला दुग्ध संघों- जयपुर, सीकर, भरतपुर व टोंक की 48 महिला दुग्ध समितियों की सचिवों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में महिला सचिवों को दुग्ध समितियों के बेहतर संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे न केवल समिति का मुनाफा बढ़ेगा बल्कि महिलाओं की कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के प्रशिक्षण का लाभ महिला दुग्ध समितियों से जुड़ी प्रत्येक महिला को दिलाए जाने का प्रयास किया जाएगा। डेयरी मंत्री ने कहा कि डेयरी क्षेत्र महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। उन्होंने दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ावा दिए जाने पर बल दिया।

कुमावत ने कहा कि दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित होनी चाहिए। इसके लिए दुग्ध सहकारी समितियां प्रत्येक गांव में किसानों से संवाद स्थापित कर अपने कार्यों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र को किसानों के लिए अधिक फायदेमंद बनाने के लिए डेयरी संघ बेहतर मॉडल विकसित करें। डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए।

मंत्री कुमावत ने बनास डेयरी द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी प्रकार राजस्थान की सरस डेयरी भी इस क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है।

उद्घाटन सत्र को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया राहटकर, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरलाल चौधरी व आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्धाज ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बनास डेयरी के उपाध्यक्ष भावा भाई रबारी, बनास मेडिकल कॉलेज एंड ट्रस्ट के चैयरमेन पीजे चौधरी, बनास डेयरी के प्रबंध निदेशक संग्राम चौधरी व प्रिंसिपल प्राइवेट सेक्रेटरी रामावतार सिंह आदि मौजूद थे।

इमाम बाड़े से बाहर निकलें ताज़िए, व्यवस्था पूर्ण

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका क्षेत्र में हजरत मोहम्मद (स.अ.व.स.) के लाडले नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाले ताजियों को इमामबाड़ों से निकाल कर कस्बे के प्रमुख मार्गों में घुमाया गया। इस दौरान अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ताज़िए रूट में आ रही बाधाओं जैसे पेड़ पौधे, ढीले तार पोस्टर नीचे लगे तिरपाल को हटवाया गया।

इस दौरान जगह-जगह पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता मौजूद रहा। वही सांयकाल 7 बजे मेहंदी की रस्म की अदायगी हुई इसमे अकीदतमंद अपने-अपने घर से इमामबाड़ों में आए व मेहदी चढ़ाकर व चुरमा दाल बाटी पर फातेहा लगावाई। इस दौरान ताज़िए कार्यकर्ता सलीम शेख ने बताया की रात्रि 9 बजे बाद में मोहल्ला सारवान, मोहल्ला लुहारमण्डी व मोहल्ला तोपचिवाड़ा के तीनों ताजिए अपने अपने इमामबाड़ों से बाहर निकलें इसके बाद में ताजियों के ऊपर चाँद लगाने की परम्परा निभाई गई इसके बाद में ये तीनों ताजिये अपने-अपने मुकाम से रवाना होकर कई स्थानों पर बैठक देते हुए गांधी चोक में आएं। इस दौरान गांधी चौक में मदीना छबील लगाई गई। जिनकी मनौती

पूर्ण हो चुकी हैं वो लोग चाँदी सोने के आइटम व फूल मालाओं से तीनों ताजियों को सजाएं यहा पर मातम की रस्म भी निभाई गई

इसके बाद में अखाड़ेबाजी का कार्यक्रम शुरू हुआ जो कि रात्रि 3 बजे तक चला यहा पर मेले का आयोजन भी हुआ! इस दौरान मोहर्रम रूट के कई जगहों पर पालिका अधिशाषी अधिकारी हरिनारायण यादव के निर्देशन में ठेकेदार कृष्ण कुमार की देखरेख में मिट्टी डलवाई गई।

इस दौरान अखाड़ा गुरु ने बताया की आखाडाबाजी गांधी चोक में डांड पट्टा लड़ाना, बनेठी को घुमाना, लकड़ी चलाना, आंखे बंद करके तलवार को चलाना अंडे व फलों को काटना, सवा मण की बल्ली के दोनों सिरों में धधकती हुई आग को लगाकर उसको हथेली, कोहनी, पेट, कमर, गर्दन, हथेलियों के बल पर घुमाकर दाद (बधाई) पाई जायेगी। इस दृश्य को देखने के लिए आस पास व दूर दराज से सैकड़ों हिन्द मुस्लिम शिरकत की।

ताजियों का पर्व शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो इसके लिए असामाजिक तत्वों पर कड़ी चोकसी व पैनी नजर रखने के लिए पुलिस प्रशासन चप्पे चप्पे पर तैनात हैं।

नगर निगम हेरिटेज आयुक्त ने देर रात किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने गुरुवार देर रात शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने चांदपोल, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, चौड़ा रास्ता और जौहरी बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में रात्रिकालीन सफाई का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार बंद होने के बाद रात में सफाई की व्यवस्था को और मजबूत किया जाए ताकि दिन के समय यातायात बाधित न हो। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि मुख्य बाजारों की सड़कों से रात 12 बजे के बाद कचरा पूरी तरह उठवाया जाए और सफाई सुनिश्चित की जाए। इस निरीक्षण में गैराज शाखा की उपायुक्त सरिता मल्होत्रा, अधिशासी अभियंता बलराम मीणा सहित अन्य निगम अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके अलावा आयुक्त निधि पटेल ने सिविल लाइन, सोडाला, गुर्जर की थड़ी और श्याम नगर इलाकों में मैकेनाइज स्वैपिंग मशीनों से हो रही सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने डुलेवो मशीन की सफाई प्रक्रिया देखी और मशीनों में स्प्रिंलिंकर का उपयोग करने के निर्देश दिए ताकि सड़कों पर उड़ने वाली धूल नियंत्रित की जा सके। आयुक्त ने सफाई में लगे नए ड्राइवरों को प्रशिक्षित करने के निर्देश भी दिए ताकि मशीनों का बेहतर संचालन सुनिश्चित हो सके।

बालकृष्ण गोयल ने जयपुर में विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर बालकृष्ण गोयल ने शुक्रवार को जयपुर शहर में कई संस्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने बाल अधिकारिता विभाग द्वारा जयपुर शहर स्थित गाँधीनगर में संचालित शिशु गृह एवं बालिका गृह का निरीक्षण कर संधारित रेकार्ड में पाई गई कमियों पर अधीक्षक को रेकार्ड का नियमानुसार संधारण करवा कर आयोग को अवगत करवाने के निर्देश दिए।

गोयल ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घाटगेट का भी निरीक्षण किया तथा उपस्थित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, मुकुल कविया को दो दिवस के भीतर विद्यालय प्रांगण की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके कॅरियर, प्रेरणास्त्रोत एवं लक्ष्य पर चर्चा की एवं गुड टच — बेड टच के बारे में बताया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जिले के कुल विद्यालय एवं बच्चों की सूची उपलब्ध कराने हेतु निर्देश देते हुए विद्यालय की गरिमा पेटी को स्कूल विद्यालय की बाहरी दीवार पर चस्पा या पेंट करवाने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाडी केन्द्र, रैगरों की कोठी, संजय बाजार के निरीक्षण में विभागीय अधिकारी एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता को बच्चों का नामांकन बढ़ाने तथा गर्भवती महिलाओं को दिये जाने वाला पोषाहार समय पर देने के निर्देश दिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम, जामडोली के निरीक्षण में व्यवस्थाएँ सन्तोषजनक पाई गई। इस पर गोयल ने कहा कि प्रशासन को ऐसी संस्थाओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित करना चाहिए। केन्द्रीय कारागृह में भोजन एवं चिकित्सा व्यवस्था सन्तुष्टिजनक पाये जाने जाने, नवाचारों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने और बंदी एवं कर्मचारी कारागृह व्यवस्था से सन्तुष्टि जाहिर की।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जिला कलक्टर की अपील,भारी बारिश के चलते जलभराव वाले स्थानों से दूर रहें

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में भारी बारिश को देखते हुए जिला कलक्टर काना राम ने आमजन से जलभराव और संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस समय सावधानी और सजगता ही जन-धन की हानि से बचाव का एकमात्र उपाय है। जिले में लगातार हो रही तेज वर्षा के कारण नदियों , तालाबों, एनिकटों, बावड़ियों, कुण्डों और झरनों में जलस्तर बढ़ रहा है तथा आगामी दिनों में भी भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। ऐसे में निचले इलाकों और जलभराव संभावित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिक विशेष सतर्कता बरतें एवं खतरा महसूस होने पर सुरक्षित स्थानों पर आश्रय ले। आपात स्थिति में आमजन सहायता हेतु नियंत्रण कक्ष पर करें संपर्क:- जिला कलक्टर ने बताया कि मानसून के दौरान किसी भी आपदा से निपटने हेतु जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। किसी आपात स्थिति में आमजन जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नम्बर 07462-220602 ,07462-220201 या टोल फ्री नम्बर 1077 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। वहीं तहसील स्तर पर सवाई माधोपुर में तहसीलदार +91 8860683111, खण्डार तहसील में +91 7014451115, चौथ का बरवाड़ा तहसील में +91 7042836979, बौंली तहसील में +91 9784538790 , मित्रपुरा में +91 9413817621, मलारना डूंगर तहसील में +91 7742214562 , गंगापुर सिटी तहसील में +91 8875777228 ,बामनवास तहसील में +91 6350209735 , वजीरपुर तहसील में +91 7877734113 ,बरनाला तहसील +91 7982046924 एवम् तलावड़ा तहसील में +91 9887008003 पर सम्पर्क किया जा सकता है। जल प्रवाह में प्रवेश न करें – वैकल्पिक मार्ग अपनाएं:- जिला कलक्टर ने स्पष्ट किया कि बारिश के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों से बहने वाली नदियों-नालों में जलस्तर अचानक तेज़ी से बढ़ता है। ऐसे में पुल-पुलियाओं, नदी-नालों या बहाव वाले मार्गों को पार करने का दुस्साहस न करें। यदि मार्ग पर पानी का बहाव है तो वैकल्पिक रास्ता चुनें या जलस्तर के कम होने तक प्रतीक्षा करें। "जिंदगी अनमोल है, छोटी सी गलती भारी नुकसान में बदल सकती है", यह कहते हुए उन्होंने आमजन से अपील की कि वे सतर्कता बरतें और अनावश्यक जोखिम से बचें।

रील और सेल्फी के चक्कर में न डालें जान जोखिम में:-

मानसून के साथ मौसम सुहावना जरूर हुआ है, लेकिन यह किसी भी प्रकार के रोमांच या सोशल मीडिया गतिविधि के लिए जान जोखिम में डालने का समय नहीं है। कलक्टर ने विशेषकर युवाओं और बच्चों से अपील की कि वे तेज बहाव वाले प्राकृतिक स्थलों, झरनों, पुल-पुलियों आदि पर रील और सेल्फी बनाने से परहेज करें। परिजनों को भी चाहिए कि वे बच्चों को इन स्थानों पर जाने से रोकें। जलभराव से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां – एडवाइजरी जारी:- जिला प्रशासन द्वारा आमजन के लिए महत्वपूर्ण सावधानियों का पालन करने की सलाह दी गई है। जलभराव संभावित इलाकों से दूर रहें और पक्के, सुरक्षित स्थानों पर आश्रय लें। अस्थायी एवं कमजोर ढांचों को सुरक्षित करें या खाली कर दें। तेज बारिश के समय फिसलन भरी सड़कों पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं, बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में वाहन न चलाएं। जलमग्न अंडरपास, पुल-पुलियाओं एवं ओवरफ्लो मार्गों से परहेज करें। जलभराव के दौरान बच्चों को बाहर खेलने या नहाने से रोकें।बिजली से संचालित उपकरणों से दूर रहें और खुले स्थानों, पेड़ों, खंभों आदि के नीचे खड़े होने से बचें। सुरक्षित और उबला या क्लोरीनयुक्त पानी ही पीने में उपयोग करें। जिला कलक्टर काना राम ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन करें और अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

बीएलओ चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी- मुख्य निर्वाचन अधिकारी

-मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा

शब्बीर हुसैन

बारां/जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। अतः उनकी नियुक्ति में कार्य कुशलता, प्रतिबद्धता और स्थानीय मतदाताओं से संपर्क जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाए। महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मतदान केंद्र रेशनलाइजेशन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, बीएलओ नियुक्ति आदि विषयों पर विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग स्टेशन रेशनलाइजेशन का कार्य पूर्णतः मतदाता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। रेशनलाइजेशन इस प्रकार हो कि हर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की आसान पहुँच, मूलभूत सुविधाएं, दूरी आदि का संतुलन बना रहे। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति के लिए निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिक्त पदों पर बीएलओ की जल्द नियुक्ति की जाए और संभावित नए मतदान केन्द्रों के लिए बीएलओ नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रारंभ करें। जिससे मतदाता सूची निर्माण में और अधिक पारदर्शिता लाई जा सके। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जुडवाने, हटवाने और संशोधन से संबंधित जानकारी सरलता एवं सुगमता से आमजन तक उपलब्ध हो, इसके लिए विभिन्न प्रचार सामग्रियों एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। जिससे हर वयस्क नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कर सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नए जिलों में निर्वाचन प्रक्रिया को सुगमता से सम्पादित करने के लिए कुशल तंत्र विकसित किया जाये। बैठक में निर्वाचन विभाग के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी जिला निर्वाचन अधिकारी विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

बोलेरो के शराबी चालक ने कार को टक्कर मारी

-कार में सवार दो महिलाओं सहित चार जने गंभीर घायल

मोहम्मद अली पठान

चूरू/रतनगढ़, (रॉयल पत्रिका)। रतनगढ़ के पास बोलेरो के एक शराबी चालक ने गलत दिशा में चलकर एक कार को टक्कर मार दी, इससे कार में सवार दो महिलाओं सहित चार जने गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों जने अपने रिश्तेदार की शोक सभा से वापस घर जा रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले दिवस आर जे 18 यू ए 1953 के चालक ने अपने वाहन को लापरवाही से चलाकर सामने से आ रही एक कार को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद बोलेरो का शराबी चालक और उसका साथी अपने वाहन को छोड़कर भाग गया। दुर्घटना में कार सवार दंपती श्रवण सिंह राठौड़ और मंजू कंवर, मुकेश सिंह और उनकी भाभी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एक फॉर्च्यूनर गाड़ी के चालक ने अपने वाहन से रतनगढ़ के अस्पताल में पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनको सीकर रेफर कर दिया गया। श्रवण सिंह और मंजू कंवर को आज सीकर के टीबड़ा अस्पताल से गंभीर हालत में जोधपुर रैफर कर दिया गया। मुकेश सिंह और उनकी भाभी का सीकर में उपचार चल रहा है। पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त कर लिया है।

बच्चों को भविष्य के हिसाब से गढ़े शिक्षक -शिक्षा मंत्री मदन दिलावर

-बच्चा बड़ा होकर राम बनेगा या रावण ये शिक्षक के हाथ

शब्बीर हुसैन

रातडिया/अंता.(रॉयल पत्रिका)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि बच्चे का भविष्य कैसा होगा ये स्कूल के शिक्षकों के हाथ में है। स्कूल में शिक्षक यदि अच्छा पढ़ाता है। बच्चों को अच्छे संस्कार देता हैं तो वह बड़ा होकर आदर्श नागरिक बनेगा लेकिन यदि शिक्षक अपने कर्तव्य में लापरवाही करता है तो बच्चों को नुकसान होता है। बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह है। वो बड़ा होकर राम जैसा बनेगा या रावण की तरह होगा ये शिक्षक पर निर्भर करता है। शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। दिलावर शनिवार को अंता मैं महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय रातडिया में आयोजित पुस्तकालय कक्ष के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार का विशेष जोर प्रदेश में गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर है। इसके लिए लगातार सरकार प्रयास कर रही है। हमने प्रदेश के सभी 970 महात्मा गांधी विद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारंभ कर दिए हैं ताकि बच्चों को विज्ञान विषय के अध्ययन के लिए दूर नहीं जाना पड़े। हर छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करने के उद्देश्य को लेकर प्रदेश के 96 उच्च प्राथमिक विद्यालयों को सीधे ही उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत कर दिया गया है। 99 विद्यालय में अतिरिक्त संकाय खोलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है। जब सत्र के प्रथम दिन ही विद्यालय क्रमोन्नत करने और संकाय खोलने की आदेश जारी हुए हैं। 11576 शिक्षकों को महात्मा गांधी स्कूलों में लगाया गया है। ताकि बच्चों की शिक्षा प्रभावित ना हो। शीघ्र ही शेष रिक्त पदों को भी भर दिया जाएगा। इससे पूर्व शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में नवनिर्मित पुस्तकालय एवं वाचनालय भवन का लोकार्पण किया। यहां उपस्थित बच्चों से वार्ता भी की। इसके बाद विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा स्कूल भवन में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों का लोकारण भी किया। शिक्षा मंत्री दिलावर ने इस अवसर पर दानदाताओं का सम्मान भी किया। कार्यक्रम में मंत्री दिलावर ने स्कूल में इंटरलॉकिंग के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा देवपुरा बंजारा स्कूल, अंता को उच्च प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्कूल में क्रमोन्नत करने, अलीपुरा उच्च माध्यमिक विद्यालय के अगले वर्ष भवन निर्माण करने की घोषणा की । साथ ही पाटूंदा स्कूल में संस्कृत विषय के अध्यापक लगाने के लिए पद सृजित करने के प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी बारां को दिए ।इसके अलावा इसी विद्यालय में उर्दू विषय के विद्यार्थी नहीं होने के कारण पदस्थापित उर्दू विषय के शिक्षक को तत्काल रिलीव करने के आदेश दिए।

भामाशाह द्वारा औषधालय को इन्वर्टर भेंट

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। रतनगढ़ तहसील के ग्राम मेलूसर पुरोहितान के आयुर्वेद औषधालय को गांव के भामाशाह सत्यनारायण पुरोहित द्वारा इन्वर्टर भेंट किया गया है। औषधालय प्रभारी डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि पुरोहित द्वारा यह इन्वर्टर अपने सुपौत्र मनोज पुरोहित सुपुत्र सुरेश कुमार पुरोहित के विवाहोत्सव सम्पन्न होने के उपलक्ष में औषधालय को दिया गया है।

इन्वर्टर बेटरी सहित है। जिसकी कीमत 20 हजार रुपए है। इस अवसर पर आयोजित लघु समारोह में औषधालय की नर्स सरिता कुमारी ने भामाशाह को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मान किया। प्रभारी डॉ. यादव ने आभार व्यक्त किया और कहा कि औषधालय में आयुष्मान आरोग्य मन्दिर द्वारा संचालित है।

ऑनलाइन काम लेपटॉप पर करना होता है एवं लाइट नहीं होने से कार्य प्रभावित होता था। इन्वर्टर प्राप्त होने से औषधालय व आयुष्मान आरोग्य मन्दिर का कार्य सुचारू रूप से करने में इन्वर्टर उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर सुरेश माटोलिया, रोहित पुरोहित, श्रवण गुर्जर, शंकर लाल पुरोहित, रिछपाल सिंह शेखावत, रोहिताश प्रजापत, अटल भुढाढरा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जिला जेल, राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह, यश दिव्यांग सेवा संस्थान, त्रिनेत्र बालगृह

-रुक्मणी वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएंस

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार दिनांक 05.07.2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला जेल सवाई माधोपुर का साप्ताहिक निरीक्षण कर जेल में निरूद्ध बंदियों से मुलाकात कर मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता, भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं तथा बैरकों एवं कारागृह परिसर की सफाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मुख्य प्रहरी महेश चन्द शर्मा को जेल मैनुअल के अनुसार सभी बंदियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा जेल से संबंधित सभी रजिस्टरों को नियमित रूप से अपडेट करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कुल 113 बंदी उपस्थित पाये गए। निरीक्षण के दौरान चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल (न्याय रक्षक) राधेश्याम जोगी, अधिकार मित्र सुमित्रा देवी एवं जेल स्टाफकर्मी उपस्थित रहे। इसी प्रकार जिला विधिक चेतना समिति के सदस्य हरिसिंह मीणा एवं मनीष तंवर द्वारा राजकीय संप्रेषण एवं किशोर गृह, यश दिव्यांग सेवा संस्थान, त्रिनेत्र बालगृह एवं रूक्मणी वृद्धाश्रम सवाई माधोपुर का निरीक्षण कर बालको एवं वृद्धजनों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं, संस्थानों में स्टाफ की स्थिति, संस्थान में स्थित रसोईघर, स्नान घर, शौचालय आदि की साफ सफाई, बालको एवं वृद्धजनों के स्वास्थ्य परीक्षण, संस्थान में डॉक्टर की विजिट, संस्थान में प्राथमिक उपचार किट एवं अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, परामर्शदाता की सुविधा, आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में संस्थान में उपलब्ध सुविधा, बालकों एवं वृद्धजनों के साथ दुर्घटना को रोकने के उपायो, संस्थान में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का विवरण बोर्ड पर अंकन, संस्थान में शिकायत पेटी की उपलब्धता, बालको एवं वृद्धजनों के पूरे दिन का शेड्यूल, बालको एवं वृद्धजनों की संख्या आदि के संबंध में निरीक्षण किया गया । दौराने निरीक्षण संस्थान में बालकों एवं वृद्धजनों को प्रदान मूलभूत सुविधाएं और संस्थान की साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। दौराने निरीक्षण राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह में 13, यश दिव्यांग सेवा संस्थान में 47, त्रिनेत्र बालगृह में 20 बालक तथा रुक्मणी वृद्धाश्रम में पांच महिला एवं दो पुरुष सहित कुल 07 वृद्धजन उपस्थित पाएं गए ।

हाजी आरिफ खान दौलत खानी का रफीक मंडेलिया ने किया स्वागत

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने वार्ड नम्बर 59 निवासी हाजी आरिफ दोलतखानी के हज के मुकट्स सफर को मुकम्मल करके चूरू आगमन पर उनके निवास पर पहुंकर श्योल, साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। रफीक मंडेलिया ने कहा कि हज एक इबादत ही नहीं, बल्कि एक तर्बियत है, यह हमें सन्न, अल्लाह की याद और इंसानियत की खिदमत सिखाता है। हज इस्लाम का एक बहुत बडा फर्ज है, जो हर उस मुसलमान पर जिंदगी में एक बार वाजिब होता है, जो आर्थिक और शारीरिक तौर पर काबिल हो। इस दौरान पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया, पीसीसी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू किसान नेता आदूराम न्यौल, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नारायण बालाण, जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, अजीज दिलावरखानी, विमल शर्मा, समीउल्लाह गोरी, आरिफ रिसालदार, संजय भाटी, योगेश ढाका मौजुद रहें।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष शिविरों का आयोजन जारी

-31 हजार से अधिक लाभार्थी हुए लाभान्वित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने बताया कि जिले में जनजातीय समुदाय के समग्र विकास एवं उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत विशेष शिविरों का आयोजन जारी है। यह अभियान ग्राम पंचायत स्तर पर 15 जून से शुरू हुए जो 15 जुलाई 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। जिसके तहत अब तक 138 से अधिक शिविरों का सफल आयोजन हो चुका है। इन शिविरों में 31 हजार 549 से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। एडीएम शाहाबाद जबर सिंह ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से जनजातीय परिवारों को आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, केसीसी, विभिन्न पेंशन योजनाएं, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान निधि, पीएम जनधन योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, मनरेगा, राशन कार्ड, सिकल सेल टेस्टिंग, मूल निवास प्रमाण पत्र, मिशन इंद्रधनुष, मुद्रा योजना जैसे कुल 25 से अधिक योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

जिनमें अब तक 1243 आधार, 740 जाति प्रमाण पत्र, 744 आयुष्मान कार्ड, 50 किसान क्रेडिट कार्ड, 308 पेंशन योजना, 1741 पीएम गरीब कल्याण, 134 पीएम जनधन खाते, 48 पीएम जीवन ज्योति योजना, 293 पीएम किसान सम्मान निधि, 133 पीएम मातृ वंदन योजना, 5 पीएम सुरक्षा बीमा योजना, 282 पीएम उज्ज्वला योजना, 210 पीएम विश्वकर्मा योजना, 740 राशन कार्ड, 569 सिकलसेल टेस्टिंग, 17 सुकन्या समृद्धि योजना, 274 मूल निवास प्रमाण पत्र, 773 मनरेगा, 124 मिशन इन्द्रधनुष योजना, 13 मुद्रा योजना का लाभ दिया गया। एडीएम सिंह ने सभी पात्र जनजातीय परिवारों से आग्रह किया है कि वे इन शिविरों में भाग लें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं को एवं अपने परिवार को सशक्त बनाएं, ताकि कोई भी हितग्राही लाभ से वंचित न रहे।

डॉक्टर मोहम्मद समीर ने समाज को गौरवान्वित किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के सुभाष चौक के रहने वाले डॉक्टर मोहम्मद समीर पिता मोहम्मद अली तगाला ने एमबीबीएस अजमेर से जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से किया ओर नई पोस्टिंग आपकी दिल्ली सचिवालय सीएम ऑफिस मेडिकल क्लिनिक पर है। हाल ही में दिल्ली की मुख्यमंत्री राखी गुप्ता द्वारा क्लीनिक का उद्घाटन व निरीक्षण किया गया जिसमें डॉक्टर मोहम्मद समीर की नई पोस्टिंग पर बधाई दी। और डॉ. समीर ने बताया कि चूरू में मेरे माता-पिता परिवार और समाज के सभी लोगों ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और आसिफ मंडावरिया, मोहम्मद रफीक चौहान ने उज्जवल भविष्य व कामयाबी की दुआएं की।

राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय के स्टाफ की घोर लापरवाही आई सामने

पाली, (रॉयल पत्रिका)। स्कूल के नव प्रवेशित विद्यार्थी को ताले में बंद कर स्टाफ चला गया अपने घर, विद्यालय छुट्टी के समय नव प्रवेशित बच्चे को नींद आने से रह गया क्लास के अंदर, 2 घंटे बाद बच्चे के जागने के बाद चिल्लाने पर पास में पानी भर रही महिलाएं पहुंची स्कूल, 5 वर्षीय मानव गिरी को ताला तोड़ कक्षा कक्ष से निकाला बाहर, विद्यालय स्टाफ की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों ने जताया रोष, रोहट सीबीईओ कालिंद नंदिनी शर्मा ने ग्रामीणों की शिकायत के बिठाई जांच कमेटी, दो कर्मचारियों को लापरवाही बरतने पर दिए नोटिस, रोहट क्षेत्र के चोटिला स्कूल का मामला है।

डीटीओ ने बालवाहिनी जांच में 3 बसें सीज की, परिवहन नियमों के पालन के निर्देश

शब्बीर हुसैन

छबड़ा, (रॉयल पत्रिका)। जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में शनिवार को अटरु, छबड़ा और कवाई क्षेत्रों में बालवाहिनियों की विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाली बसों की नियमों के अनुसार गहन जांच की। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर 3 बसों को मौके पर ही सीज कर लिया गया, जबकि 3 अन्य बसों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। डॉ. शर्मा ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी स्कूल प्रबंधकों व बस संचालकों से अपील की कि वे परिवहन नियमों का सख्ती से पालन करें और फिटनेस, पीयूसी, परमिट एवं अन्य अनिवार्य दस्तावेजों को अद्यतन रखें। यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सीवरेज पाइप लाइन नहीं होने की वजह से मोहल्ले में फैली गंदगी

पाली,(रॉयल पत्रिका)। सामाजिक कार्यकर्ता सरोज राजपुरोहित ने जिला कलेक्टर पाली व नगर निगम आयुक्त को पत्र लिख कर वृद्धाश्रम पाली रेलवे स्टेशन के पास वाली गली महेश कॉलोनी में सीवरेज पाइप लाइन बिछा कर जनता को राहत देने की मांग की राजपुरोहित ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पीछे महेश कॉलोनी में सीवरेज लाइन नहीं बिछाई हुई हे गली सकरी होने के कारण कार्यकारी एजेंसी ने इस गली का कार्य नहीं किया । जिससे मोहल्ले वासियों को कई वर्षों से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हे गली नीचे होने की वजह से नालिया भरी पड़ी रहती हे ओर पूरे मोहल्ला में गंदगी फैली हुई हे लोगो का बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा हे सीवरेज बिछाने वाली कंपनी ने गली के मुख्य सड़क तक पाइप लाइन लाकर छोड़ दी मगर महेश कॉलोनी में सीवरेज का काम नहीं किया जिससे बार बार सीवरेज की गाड़ी बुला कर पानी खाली करवाना पड़ता है। सरोज राजपुरोहित ने जिला कलेक्टर ओर आयुक्त से पुर जोर मांग की हे कि जनहित में वृद्धाश्रम के पास वाली महेश कॉलोनी में सीवरेज लाइन बिछा कर मुख्य पाइप लाइन से जुड़ाने की कार्यवाही कर मोहल्ले वासियों को राहत देवे। इस बाबत नगर निगम में कई बार शिकायत करने पर भी कोई उचित कार्यवाही नहीं हुई।

कलक्टर काना राम ने किया चौथ का बरवाड़ा शिविर का निरीक्षण

-300 से अधिक मामलों को हुआ समाधान

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को ग्राम पंचायत चौथ का बरवाड़ा के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित शिविर का जिला कलक्टर काना राम ने आकस्मिक निरीक्षण किया।

शिविर के दौरान जिला कलक्टर, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा विभिन्न लाभार्थियों को कार्यों से संबंधित दस्तावेजों, आयुष्मान कार्ड, मृद्रा स्वास्थ्य कार्ड तथा आवासीय पट्टे स्वीकृतियां आदि का मौके पर ही वितरण किया गया। शिविर में स्वामित्व योजना के अन्तर्गत 3 पट्टे का वितरण, 15 मृद्रा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए, 72 टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान की और 36 नामांतरण प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारण किया गया। इसके साथ ही सीमाज्ञान के 9 प्रकरण एवं 6 रास्तों के प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं समाज कल्याण द्वारा 34 पेंशनरों, एनएफएसए के 141 आवेदनों, 120 परिवारों की आधार सीडिंग करवाई गई। उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा इन शिविरों में राजस्व, शिक्षा, पशुपालन, डिस्कॉम, पीएचईडी, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, रसद, कृषि सहित विभिन्न विभाग के बिजली के झुलते तारों को खिचवाना, लंबित नल कनेक्शन शीघ्र जारी करना, लंबित नामान्तरणों का निस्तारण, रास्ते के प्रकरणों का निस्तारण, नर्सरियों से पौधों का वितरण, आयुष्मान कार्ड वितरण, एनसीडी स्क्रीनिंग, टीकाकरण, मंगला पशु बीमा का लाभ, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों का सत्यापन सहित विभिन्न कार्य करवाएं जा रहे है। उन्होंने प्रत्येक आमजन से इन शिविरों के तहत करवाएं जा रहे कार्यों का लाभ उठाने एवं अन्य को भी प्रेरित करने की बात कहीं। उन्होंने शिविर में मौजूद विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों से आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप राहत पहुचाने के निर्देश भी दिए। यूडीआईडी कार्ड के लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने, विशेषयोग्जनों के पेंशन सत्यापन के लिए ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाईन सत्यापन कराने के निर्देश ग्राम विकास अधिकारी को दिए। उन्होंने जलापूर्ति की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर टंकियों की नियमित साफ-सफाई करने, सप्लाई लाईन की लीकेज दुरूस्त करवाकर अंतिम छोर तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिक्षा को प्रवेशोत्सव के दौरान सभी राजकीय विद्यालयों में अधिकाधिक बच्चों के प्रवेश एवं हरियालो राजस्थान के तहत सभी विद्यालयों में पौधारोपण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने राजस्व विभाग के द्वारा प्रति पटवारी को आपसी सहमति से 5 बंटवारे सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस दौरान वहां मौजूद ग्रामीणों से संवाद कर उनके द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। इस दौरान एसडीएम दामोदर सिंह, तहसीलदार नीरज सिंह, विकास अधिकारी, सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शेखावाटी अंचल की तीन प्रमुख निकाय झुंझुनू, नवलगढ़ और मंडावा के न्याय मित्र

-के के गुप्ता दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

झुंझुनूं,(रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के शेखावाटी अंचल की निकाय नगर परिषद झुंझुनूं, नगर पालिका नवलगढ़ और नगर पालिका मंडावा के लिए माननीय जिला लोक अदालत द्वारा नियुक्त न्याय मित्र के के गुप्ता आगामी 12 और 13 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। न्याय मित्र गुप्ता के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहरी) एकीकृत कार्यालय उदयपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री गुप्ता द्वारा दिनांक 12 जुलाई से 13 जुलाई 2025 तक उक्त तीनों निकाय में "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत निर्देश अनुसार किये जा रहे कार्यों का सघन निरीक्षण किया जायेगा। माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश है कि स्वच्छता में किसी भी प्रकार का समझोता नहीं किया जायेगा। शहर में गंदगी कचरा कही पर नहीं दिखना चाहिए। स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत डोर टू डोर कचरा संग्रहण, नालियों की सफाई, अतिक्रमण - (सड़कों पर), नाईट स्वीपिंग, सड़कों पर जानवर, सड़कों की स्थिति, सड़कों पर लाईटें, कचरा यार्ड, सडकों पर पानी भराव, प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध, वार्डो में कर्मचारी सफाई, हवेलियों का जिर्णोधार, सार्वजनिक टॉयलेटों की सफाई दिन में, रोड़ लाइटे, आमजन की प्राप्त शिकायतों का निस्तारण, दीवारों की सफाई, पेन्टिंग कार्य सहित अन्य प्रमुख घटक का निरीक्षण किया जाएगा।

तीनों निकायों के जिम्मेदार अधिकारियों को भी विशेष निर्देश जारी

आमजन द्वारा स्वच्छता, गंदगी एवं रोड लाइटो के बारे में भारी शिकायते की जा रही है जो निम्न है, शहर में खाली पड़े भूखण्ड गंदगी से भरे पड़े है पानी भरा पड़ा है उनमे जीव जंतु, कीड़े मकोडे हो रहे है जिनसे आमजन परेशान है। भूखण्ड मालिको को नोटिस जारी कर अविलम्ब भूखण्ड को साफ़ करवाया जावे तथा भूखण्ड साफ न करने क़ानूनी कार्रवाई की जावे। अधिकतर रोड लाइट्स लम्बे समय से बंद पड़ी है तत्काल चालू करवाई जावे। जानवर सड़को पर घूम रहे है। जगह जगह गंदगी फ़ैल रही है। उपरोक्त कार्यो का निरीक्षण किया जायेगा तथा माननीय न्यायालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। न्याय मित्र गुप्ता ने यह भी निर्देश दिए हैं कि शेखावाटी क्षेत्र में यह सभी शहर प्रमुख पर्यटक नगरी भी है। देश एवं विदेशी पर्यटक यहां भारी संख्या में आते है। नगर की आम जनता द्वारा यह बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही है कि वर्तमान में वर्षा ऋतु के समय में जगह-जगह पानी भर रहा है, सीवरेज का कार्य व्यवस्थित नहीं होने से गंदगी पानी में फैल रही है तथा घरों में गंदा पानी जाने की वजह से मौसमी बिमारियां फैलने की आशंका है। ऐसी स्थिति में सीवरेज लाईन को व्यवस्थित करवाने के साथ -साथ जहां -जहां कॉलोनी में पानी भर रहा है उसके निकासी की तत्काल व्यवस्था करना जनहित में आवश्यक है। वही, आयुक्त नगर परिषद झुंझुनूं को यह भी विशेष निर्देश जारी किए गए हैं कि न्याय मित्र गुप्ता दिनांक 13 जुलाई को निरीक्षण बाद मारवाड़ी युवा मंच झुंझुनू शाखा के स्थापना दिवस समारोह सांय 6 बजे स्थान मुनि आश्रम सभागार, पंचदेव मंदिर एवं एमजी मोल के पास कार्यक्रम में सम्मिलित रहेंगे। कार्यक्रम हजारो लोग हिस्सा लेंगे। मुनि आश्रम सभागार, मंदिर के आस पास स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जावे।

सफलता की कहानी ग्रामीणों के लिये राहत लाये है शिविर

- रेखा को मिला शिविर में आर्थिक संबल सामाजिक सुरक्षा पेंशन

पाली,(रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार ग्रामीणों को लाभान्वित करने के लिये पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाडा में ग्रामों में शिविर आयोजित किये जा रहे है जो ग्रामीणों के लिये राहत लेकर आया है साथ ही ग्रामीणों को आर्थिक संबल भी मिल रहा है और अनेक योजनाओं में उनको लाभ मिल रहा है। ऐसा ही आज हुआ ग्राम पंचायत कोट बालियान, तहसील बाली पाली की रहने वाली रेखा के साथ । रेखा पत्नी गोविन्द जाति कालबेलिया ग्राम कोट बालियान की निवासी है जो उनके पति गोविन्द की चार माह पूर्व मृत्यु हो चुकी। उन्होंने बताया कि उनके तीन छोटे-छोटे बच्चे है और स्वयं व मेरे बच्चो का मैं मजदूरी करके मुश्किल से भरण-पोषण करती हूं और मुझे सामाजिक सुरक्षा पेंशन की बहुत आवश्यकता थी। उन्होंने आज शिविर के बारे में पता चला तो वे शिविर में अपनी व्यथा लेकर पहुंची । उन्होंने ग्राम पंचायत में शिविर प्रभारी मनमोहन सिंह नायब तहसीलदार के समक्ष समस्या बताई। सिंह ने ग्राम विकास अधिकारी रामचन्द्र यादव व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैलाश कुमार को सामाजिक सुरक्षा पेंशन ब्डॅचे् में आवेदन कर पेंशन स्वीकृत करवाने का कहां और ईमित्र से आवेदन करवाकर रेखा की पेंशन आज कैंप में हाथो हाथ जारी की गयी। पेंशन जारी करने पर रेखा के चेहरे पर खुशी की मुस्कान आ गयी और प्रशासन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद दिया।

केलनिया शिविर में 20 लोगों को मिले पट्टे, हक मिला, भरोसा बढ़ा

हनुमानगढ़/रावतसर, (रॉयल पत्रिका)। रावतसर ब्लॉक की ग्राम पंचायत केलनियां में शुक्रवार को आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के शिविर ने ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान कर मिसाल पेश की। शिविर में 20 लोगों को आवासीय भूखंडों के पट्टे जारी कर उन्हें मालिकाना हक सौंपा गया।

लाभार्थी हेतराम पुत्र लादूराम और इमरती ने बताया कि उनके पास वर्षों से अपने घर के भूखंड के दस्तावेज नहीं थे, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और अन्य कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन जैसे ही शिविर की सूचना भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में उन्हें मिली, वे उपस्थित हुए। मौके पर ही उपखंड अधिकारी संजय कुमार, नायब तहसीलदार पुष्पा बेनिवाल, सहायक विकास अधिकारी अन्नतराम गोदारा, ग्राम पंचायत प्रशासक केसराराम एवं ग्राम विकास अधिकारी सुरेन्द्र कुमार की संयुक्त कार्रवाई से उन्हें पट्टा प्रदान किया गया। पट्टा हाथ में मिलते ही दोनों के चेहरे पर राहत और उम्मीद की चमक दिखी। शिविर में प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के तहत 13 किसानों को मृदा कार्ड वितरित किए गए। इन कार्डों की सहायता से किसानों को खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की जानकारी मिलेगी और वे संतुलित उर्वरक प्रयोग कर बेहतर उपज प्राप्त कर सकेंगे। राजस्व विभाग की ओर से पटवारी मनीषा मीणा द्वारा 25 लंबित नामांतरण प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारित कर लाभार्थियों को राहत दी गई। इस त्वरित कार्यवाही से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास और योजनाओं के प्रति सहभागिता का भाव और गहरा हुआ। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और जिला प्रशासन का आभार प्रकट करते हुए कहा कि ऐसे शिविर सरकार की जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर साकार कर रहे हैं।

30 सितंबर 2025 तक जिले में चलेगा जन सुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति अभियान

शिविर में वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित होंगे कार्य

बारां, (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 1 जुलाई 2025 से 30 सितंबर 2025 तक त्रैमासिक देशव्यापी वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा अभियान (जन सुरक्षा योजनाओं के लिए संतृप्ति अभियान) संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक बैंकिंग, बीमा और पेंशन जैसी आवश्यक वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने के साथ ही पात्र नागरिकों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाना है। अभियान के तहत प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत वर्तमान निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन, जिन व्यक्तियों के अभी तक बैंक खाते नहीं है, उनके नए बैंक खाते खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में नामांकन किया जाएगा। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने जिलेवासियों से कहा है कि इस महत्त्वपूर्ण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और बैंकिंग व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाकर स्वयं तथा अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी ग्राम पंचायत कार्यालय, बैंक शाखा या जिला अग्रणी बैंक कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

इन योजनाओं में यह मिलेगा लाभ -

एलडीएम जनवेद मीना ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में प्रति वर्ष केवल 436 रुपये में 2 लाख का जीवन बीमा मिलेगा। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में प्रति वर्ष केवल 20 रुपये में 2 लाख का दुर्घटना बीमा मिलेगा। अटल पेंशन योजना में न्यूनतम निवेश करने पर 60 वर्ष की आयु के बाद अंशदान आधारित स्थायी मासिक पेंशन मिलेगी। पीएमजेजेवाई एवं पीएमएसबीवाई के लिए अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर से एसएमएस एवं मिस कॉल से भी रजिस्टेªशन किया जा सकता है।

यहां आयोजित होंगे शिविर -

9 जुलाई को अंता ब्लॉक की ग्राम पंचायत बमुलिया माताजी, 11 जुलाई को बमूल्याकलां, 14 जुलाई को बड़गांव, 16 जुलाई को बड़वा, 17 जुलाई को भोज्याखेड़ी, 21 जुलाई को बिजौरा, 22 जुलाई को चहेड़िया, 28 जुलाई को जयनगर एवं 31 जुलाई को काचरी में शिविर आयोजित होंगे।

अजमेर दरगाह में 40 किलो चांदी का ताजिया लोगों के लिए बना कौतूहल

- मुहर्रम के मौके पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

अजमेर। इस्लामी इतिहास में मुहर्रम को सत्य और इंसाफ की राह पर चलने की मिसाल माना गया है. इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत आज भी मानवता को बलिदान, धैर्य और न्याय की प्रेरणा देती है.

मुहर्रम का महीना शुरू होते ही अजमेर शरीफ की फिजा में ग़म-ए-हुसैन की सदा गूंजने लगी है. इस मौके पर सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में बना 40 किलो चांदी का ताजिया आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है. दरगाह शरीफ के खादिम सैयद अलीम चिश्ती सजन बताते हैं कि ख्वाजा गरीब नवाज को इमाम हुसैन का वंशज माना जाता है, इसीलिए मोहर्रम का खास महत्व अजमेर दरगाह में देखने को मिलता है.

इस चांदी के ताजिए को लेकर खिदमतगार डॉक्टर सैयद नजमुल हसन चिश्ती बताते हैं कि एक अकीदतमंद ने अपनी मुराद पूरी होने पर यह ताजिया पेश किया था. इसे आगरा के कारीगरों ने अजमेर में रहकर तैयार किया था. अब यह ताजिया न सिर्फ अजमेर, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था का प्रतीक बन गया है. मकबरा हॉल में सजाए गए इमाम बारगाह में लोग बड़ी तादाद में पहुंचकर जिक्र-ए-कर्बला कर रहे हैं और मन्नतें, मुरादें मांग रहे हैं.

पीढ़ियों से निभ रही परंपरा और सांस्कृतिक साझेदारी

राजस्थान के अन्य इलाकों में भी मुहर्रम को लेकर खास तैयारियां चल रही हैं. डीडवाना और कुचामन सिटी जैसे कस्बों में पीढ़ियों से ताजिए बनाने की परंपरा कायम है. कारीगर मुबारक अली, मोहम्मद निज़ामुद्दीन और नाथू शाह जैसे लोग इसे केवल एक पेशा नहीं, बल्कि इबादत मानते हैं. यह परंपरा आज भी हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करती है.

प्रशासन की सतर्कता और भाईचारे की अपील

ताजिए के जुलूसों को लेकर जिला प्रशासन ने सफाई, सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था की व्यापक तैयारियां की हैं. अजमेर पुलिस द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है ताकि शांति और सौहार्द बना रहे. इस्लामी इतिहास में मुहर्रम को सत्य और इंसाफ की राह पर चलने की मिसाल माना गया है. इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत आज भी मानवता को बलिदान, धैर्य और न्याय की प्रेरणा देती है.

दिव्यांग मांगीलाल के लिये शिविर खुशियां लेकर आया मिला योजनाओं से सम्बल

पाली,(रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंतोदय सम्बल पखवाड़ा अन्तर्गत पंचायत समिति पाली की ग्राम पंचायत मुख्यालय सोडावास शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मांगीलाल पुत्र हेमाराम सिरवी निवासी सोडावास के लिये अपार खुशिया लेकर आया, मांगीलाल पांव से दिव्यांग है, अतः असमर्थता के कारण सरकारी सुविधाओं से वंचित था उसने आज शिविर में आकर अपनी व्यथा बताई कि वे अपनी भूमि पर जन्म से निवास कर रहा है लेकिन वैद्य दस्तावेज के अभाव में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह रहा था। जिसे वहां मौजूद अधिकारियों ने गौर से सुना और मांगीलाल को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मकान का पट्टा और स्वामित्व योजना अन्तर्गत प्रोपर्टी पार्सल जारी किया। वैद्य दस्तावेज मिलने के बाद पूरे परिवार के लिए भविष्य में सरकारी लाभ की राह आसान हो गई है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद विशाल सीपा मौजूद रहे जिन्होंने विभिन कार्ड सौंपे। इतने कार्य एक साथ होने पर मांगीलाल भावुक व खुश हुआ और चेहरे पर मुरूकान छा गयी। मांगीलाल ने इन कामों के लिये राज्य सरकार व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रशासन को धन्यवाद दिया।

जिला कलक्टर ने किया अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिले में शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण सवाई माधोपुर शहर सहित कई इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला कलक्टर काना राम ने राजबाग पुलिया, सिटी बस स्टैंड, गोपाल जी का मंदिर पुलिया, लटिया नाला, खेरदा ब्रिज क्षेत्र सहित अन्य जलभराव प्रभावित इलाकों का दौरा किया और मौके पर पहुंचकर हालातों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर वास्तविक स्थिति की जानकारी ली तथा मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को त्वरित राहत कार्य, जल निकासी और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के कारण उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में रहें। जिला कलक्टर ने सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ तथा बाढ़ राहत से जुड़े समस्त विभागों को 24 घंटे सक्रिय रहने और किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने लटिया नाले के तेज बहाव से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करने तथा प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, पानी व अन्य आवश्यक सुविधाओं की शीघ्र बहाली के निर्देश भी प्रदान किए। उन्होंने आमजन से अपील की कि संभावित भारी बारिश को देखते हुए निचले क्षेत्रों और जर्जर भवनों में रह रहे नागरिक सतर्क रहें एवं आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित हो जाएं। जिला प्रशासन की ओर से किसी भी आपात स्थिति में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 07462-220602, 07462-220201 तथा टोल फ्री नंबर 1070 पर तत्काल संपर्क करने का अनुरोध किया गया है।

निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी सवाई माधोपुर अनूप सिंह, नगर परिषद आयुक्त नरसी मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रहमत फाउंडेशन के द्वारा जरूरतमंदों को फल और जूस वितरण कर

-कर्बला में शहीदों की शहादत को याद किया गया

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भरतीय रोड रहमत फाउंडेशन के उपसंचालक सोहेल अहमद चौहान ने बताया की ये प्रोग्राम मोहम्मद इस्माइल चौहान की ओर से करवाया गया ओर इसके साथ ही मोहर्रम का पर्व हमें जो हमारे पास है उसमें ही सबर और शुक्र करने का पैगाम देता है और अपने हक के लिए लड़ना सीखाता है और इसके साथ ही आपसी भाईचारे का पैगाम देता है इस प्रोग्राम में मोहम्मद जुनेद अली, अहमद सुहैल चौहान ,अब्दुल अजीज, अली अहमद , ओवेश रजा, मोहम्मद समीर हसनैन और रहमत फाउंडेशन के सदस्य मौजूद रहे।

युवा नेता गौरव सारण ने नाले के बहाव क्षेत्र से मलबा हटाने की मांग

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। शहर के बड़सम पुलिया के नीचे से बारिश के पानी का बहाव क्षेत्र है। बहाव क्षेत्र में हाइवे ठेकेदार द्वारा अवैध डम्पिग मलबा डाल कर बहाव क्षेत्र को रोक दिया है। इसको लेकर युवा कांग्रेस ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। युवा नेता गौरव सारण ने बताया कि बहाव क्षेत्र को रोकने से व मलबा डालने से शहर में बाढ़ का पानी एक साथ आएगा और व्यापारियों और आमजन को भारी नुकसान होगा। ज्ञापन सौंपकर युवा नेता गौरव सारण ने बताया कि प्रशासन इस मामले में तुरन्त हस्तक्षेप कर मलबे को हटवाए और ठेकेदार को डम्पिग मलबा भविष्य में उक्त जगह पर न डालने के लिए पांबद करे। सांचौर क्षेत्र को बाढ़ से बचाने के लिए मलबे को अतिशीघ्र हटाने की मांग की गई। इस दौरान केसाराम भील, पूनमाराम पुरोहित, भारमल देवासी, भवजी बन्ना, राजुराम, आसुराम जाट, रमेश जाट, परागाराम, महेन्द्र माली, हनीफ खॉ, बरकत खॉ, रणजीत सहित कई युवा कांग्रेस मौजूद थे।

प्रदेश महासचिव ने सेड़िया शिविर प्रभारी को दिया ज्ञापन

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। ह्मन राइट् जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव खलीफा मोहम्मद बक्ष ने पं.दीनदयाल उपाध्याय शिविर प्रभारी सेड़िया को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति सरनाऊ के ग्राम पंचायत सेड़िया की मुख्य सड़क जर्जर हो चुकी है लम्बे समय से मांग करने के बावजूद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बारिश के मौसम में पता ही नहीं चलता सड़क में गड्ढे है या गड्ढे में सड़क जगह-जगह बड़े गड्ढे होने के कारण आने जाने वाले आम राहगीरों को आवागमन में कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात में पानी के भराव के कारण आम नागरिकों के साथ विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों को अत्यधिक दलदली कीचड़ से बच्चों में डर का माहौल बना रहता है। सांगरोल नाड़ी से तुलशानियों की ढाणी तक कच्चा रास्ता होने से बारिश के मौसम अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कीचड़ के भराव के कारण कई बार विद्यालय जाने वाले बच्चे हादसे का शिकार बने रहते है। नारायणपुरा के ग्रामीणों ने कहा कि जलजीवन मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन तो कर दिया परन्तु एक बूंद पानी का नहीं आया समस्त ग्रामीणों के हित को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण के साथ पानी की सप्लाई सुचारू की जावें। ताकि ग्रामीणों एवं विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधा प्राप्त हो सकें। इस मौके पर नबी बक्स भाटी, अहमद अली राहूमा, कासम खान, यासीन खॉन, कोमलशाह, हनीफशाह, भीखुशाह, अल्लाबक्षशाह, रहमतुल्लाह शाह, समन्दरशाह, दिलीप कुमार भील, कालु राम, प्रकाश कुमार भील, खुबाराम भील सहीत कई ग्रामीण मौजूद थे।

IND-ENG दूसरा टेस्ट, भारत 244 रन आगे, दूसरी पारी में बनाए 64 रन

-इंग्लैंड से स्मिथ-ब्रूक की सेंचुरी, सिराज ने लिए 6 विकेट

बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे दिन भी भारत ने अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी है। 587 रन के जवाब में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 407 रन ही बनाने दिए। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली। यहां से टीम ने पहली पारी में 1 विकेट खोकर 64 रन बना लिए। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। भारत ने दूसरी पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 64 रन पर 1 विकेट खो दिया, और अब भारत की कुल बढ़त 244 रन की हो गई है। इससे पहले इंग्लैंड की टीम ने पहली पारी में 345 रन बनाए, जिसमें स्मिथ और हैरी ब्रूक ने शानदार शतक लगाए। भारतीय गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट लेकर मैच में भारत की वापसी कराई। इंग्लैंड ने तीसरे दिन 88 रन पर ही 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जैमी स्मिथ ने 184 और हैरी ब्रूक ने 158 रन बनाए। दोनों ने टीम के लिए 303 रन की पार्टनरशिप कर ली। भारत से मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाशदीप ने 4 विकेट लिए।

ब्रूक-स्मिथ ने इंग्लैंड को मजबूती दिलाई

तीसरे दिन इंग्लैंड ने 77/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। मोहम्मद सिराज ने एक ही ओवर में जो रूट और बेन स्टोक्स को पवेलियन भेज दिया। रूट ने 22 रन बनाए, स्टोक्स खाता भी नहीं खोल सके। ब्रूक और स्मिथ ने फिर ट्रिपल सेंचुरी पार्टनरशिप की। ब्रूक 158 रन बनाकर आउट हुए, वहीं स्मिथ 184 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनके सामने टीम 407 रन पर ऑलआउट हो गई। दूसरी पारी में भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 1 विकेट के नुकसान पर 64 रन बना लिए। टीम 244 रन से आगे हैं। केएल राहुल 28 और करुण नायर 7 रन के स्कोर से चौथे दिन अपनी पारी आगे बढ़ाएंगे। यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर जोश टंग की गेंद पर LBW हुए। भारतीय टीम बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड के खिलाफ 244 रन से आगे है। शुक्रवार का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 28 और करुण नायर 7 रन पर नाबाद लौटे। यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए। एजबेस्टन स्टेडियम में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर ऑलआउट हो गई। यहां भारतीय टीम को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली। 77/3 के स्कोर से दिन की शुरुआत करने वाली इंग्लिश टीम ने पहले सेशन में 84 रन के स्कोर पर जो रूट (22 रन) और बेन स्टोक्स (शून्य) के विकेट गंवा दिए थे। यहां से हैरी ब्रूक (158 रन) और जैमी स्मिथ (नाबाद 184 रन) ने छठे विकेट के लिए 303 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड की वापसी कराई। आखिरी सेशन में ब्रूक के आउट होने के बाद इंग्लिश टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। टीम ने आखिरी 5 विकेट 20 रन बनाने में गंवा दिए। मोहम्मद सिराज ने 6 विकेट झटके, जबकि आकाश दीप ने 4 विकेट लिए। मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम पहली पारी में 587 रन पर ऑलआउट हो गई थी। कप्तान शुभमन गिल ने 269 रन बनाए थे।

सिराज की धारदार गेंदबाज़ी

जहाँ एक तरफ इंग्लैंड के बल्लेबाज़ हावी दिखे, वहीं मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाज़ी की। सिराज ने 34 ओवर में 104 रन देकर 6 विकेट निकाले। उनकी गेंदों में स्पीड और स्विंग ने इंग्लैंड के मिडल ऑर्डर और लोअर ऑर्डर को समेटने में मदद की। उन्होंने ब्रूक, , स्टोक्स और वोक्स जैसे महत्वपूर्ण विकेट लेकर इंग्लैंड को 400 के पार जाने से रोक दिया। सिराज की गेंदबाज़ी की तारीफ कप्तान गिल ने भी करते हुए कहा, "सिराज ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया।"

भारत की पहली पारी: शुभमन गिल और जडेजा का योगदान

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 525 रन बनाए थे, जिसमें शुभमन गिल ने शानदार 206 रन और रविंद्र जडेजा ने 78 रन बनाए। गिल का यह दोहरा शतक इंग्लैंड में उनके करियर का पहला दोहरा शतक रहा, जबकि जडेजा ने एक छोर संभाले रखा। भारत की पहली पारी की बढ़त ही आगे जाकर निर्णायक साबित हो सकती है।

भारत की दूसरी पारी: संभलकर शुरुआत

भारत ने दूसरी पारी की शुरुआत की तो पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर वोक्स की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद लोकेश राहुल और करून नायर ने पारी को संभालते हुए बिना और विकेट गंवाए स्कोर 64 रन तक पहुंचाया। भारत की बढ़त अब 244 रन की हो चुकी है और तीसरे दिन के आखिरी सत्र में भारतीय बल्लेबाजों ने इंग्लैंड को कोई और सफलता नहीं दी।

पिच और मौसम का हाल

लॉर्ड्स की पिच बल्लेबाज़ी के लिए अब भी बेहतर मानी जा रही है, लेकिन तीसरे दिन के अंतिम सत्र में स्पिन गेंदबाज़ों को टर्न मिलता दिखा। रविचंद्रन अश्विन और जडेजा के लिए चौथे दिन उपयोगी हालात बन सकते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, चौथे दिन बारिश की कोई संभावना नहीं है, जिससे मैच का परिणाम निकलने की पूरी उम्मीद है।

भारत की रणनीति क्या होगी?

भारत की कोशिश रहेगी कि वह चौथे दिन लंच तक 120-150 रन और जोड़कर इंग्लैंड के सामने 375 से अधिक का लक्ष्य रख सके, ताकि पिच धीमी होने और स्पिन मिलने का फायदा उठाते हुए इंग्लैंड को दबाव में डाला जा सके। राहुल और नायर की पारी में स्थिरता, और उसके बाद गिल और पंत जैसे बल्लेबाज़ों से तेजी से रन बनाने की उम्मीद रहेगी।

इंग्लैंड की रणनीति क्या रहेगी?

इंग्लैंड की टीम चाहेगी कि वे जल्दी-जल्दी विकेट निकालकर भारत को 200-220 रन तक ही रोक दें ताकि लक्ष्य 300 के भीतर रखा जा सके। ब्रॉड, वोक्स और एंडरसन जैसे अनुभवी गेंदबाज़ों की भूमिका अहम होगी, वहीं स्पिनर लीच और रुट भी महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड के लिए रन चेज आसान नहीं होगा, लेकिन पिच बल्लेबाज़ी योग्य होने के कारण वह इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे।

शुभमन और बशीर के सिर पर बॉल लगी, स्टोक्स का पहला गोल्डन डक

-स्मिथ-ब्रूक की 303 रन की पार्टनरशिप, टेस्ट में रिकॉर्ड और मोमेंट्स

बर्मिंघम टेस्ट में भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिल गई। टीम ने 587 रन के जवाब में इंग्लैंड को 407 रन पर समेट दिया। इंडियन कैप्टन शुभमन गिल को कैच लेने की कोशिश में सिर पर बॉल लग गई। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट करियर में पहली बार पहली गेंद पर आउट (गोल्डन डक) हुए। जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर सेंचुरी लगा दी, उन्होंने हैरी ब्रूक के साथ छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप भी की। मोहम्मद सिराज ने 2 गेंद पर लगातार 2 विकेट लिए। वहीं भारतीय फील्डर्स ने 2 आसान कैच छोड़े।

तीसरे दिन के मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स...

1. बेन स्टोक्स का पहला गोल्डन डक

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट के करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा। टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों बाद गोल्डन डक हुए थे। जैमी स्मिथ ने 80 बॉल पर शतक लगाया। इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर शतक लगा दिया। यह इंग्लैंड से चौथा सबसे तेज टेस्ट शतक रहा। फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड गिल्बर्ट जेसप के नाम है, जिन्होंने 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंद पर सेंचुरी लगा दी थी।

2. ब्रूक ने सबसे तेज 2500 रन बनाए

इंग्लैंड से हैरी ब्रूक ने भी शतक लगाया, उन्होंने 158 रन की पारी खेली। इस इनिंग के साथ उनके 2500 टेस्ट रन भी पूरे हो गए। उन्होंने इतने रन सबसे कम गेंदों में पूरे कर लिए। ब्रूक ने 2500 टेस्ट रन बनाने के लिए महज 2832 गेंदें खेलीं। इंग्लिश विकेटकीपर का सबसे बड़ा स्कोर। जैमी स्मिथ 184 रन बनाकर नॉटआउट रहे। यह इंग्लैंड के किसी भी विकेटकीपर बैटर का टेस्ट में सबसे बड़ा स्कोर है। उन्होंने एलीस स्टीवर्ट का 28 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1997 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 173 रन बनाए थे।

3. भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप

जैमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप की। यह इंग्लैंड से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इंग्लैंड से भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए यह सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। ब्रूक-स्मिथ ने जॉनी बेयरस्टो और क्रिस वोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 2018 में लॉर्ड्स स्टेडियम में 189 रन जोड़े थे। 11 साल बाद भारत के खिलाफ 300+ रन की पार्टनरशिप। भारत के खिलाफ टेस्ट में 11 साल बाद किसी भी विकेट के लिए 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई। 2014 में आखिरी बार न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कलम और बीजे वाटलिंग ने छठे विकेट के लिए ही 352 रन जोड़े थे। भारत के खिलाफ टेस्ट में 12वीं बार 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।

4. कप्तान गिल के नाम अनचाहा रिकॉर्ड

शुभमन गिल भारत के 7वें ही कप्तान बने, जिनके खिलाफ किसी टीम से प्लेयर्स ने 300 प्लस रन की पार्टनरशिप की। उनके अलावा सुनील गावस्कर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और राहुल द्रविड़ की कप्तानी में भी 1-1 बार भारत के खिलाफ 300 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई। एमएस धोनी इकलौते कप्तान रहे, जिनके खिलाफ 6 बार 300 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई।

5. नंबर-7 बैटर का भारत के खिलाफ बेस्ट स्कोर

इंग्लैंड से नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे जैमी स्मिथ ने 184 रन की नॉटआउट पारी खेली। यह नंबर-7 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए भारत के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। स्मिथ ने न्यूजीलैंड के ईयन स्मिथ का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1990 में 173 रन बनाए थे। यशस्वी सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय। यशस्वी जायसवाल ने पहली पारी में 87 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 28 रन बनाए। इसी के साथ उनके 2 हजार टेस्ट रन भी पूरे हो गए। इसके लिए उन्होंने महज 40 पारियां लीं। वे 2 हजार टेस्ट रन पूरे करने वाले भारत के सबसे तेज बैटर बने। उन्होंने राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग की बराबरी की। दोनों ने भी 40-40 पारियों में 2 हजार टेस्ट रन पूरे किए थे।

टॉप मोमेंट्स...

1. शुभमन ने कैच छोड़ा, सिर पर बॉल लगी

इंग्लैंड की बैटिंग में 37वें ओवर के दौरान शुभमन गिल ने आसान कैच छोड़ दिया और गेंद उनके सिर पर जा लगी। ओवर की दूसरी बॉल रवींद्र जडेजा ने गुड लेंथ पर फेंकी। हैरी ब्रूक ड्राइव करने गए, लेकिन बॉल फर्स्ट स्लिप में गिल के पास चली गई। शुभमन के हाथ देरी से बॉल तक पहुंचे, तब तक गेंद उनके सिर पर जा लगी। जीवनदान के वक्त ब्रूक के 63 ही रन थे, उन्होंने 158 रन बना दिए।

2. बशीर के हेलमेट पर लगी सिराज की बाउंसर

90वें ओवर में मोहम्मद सिराज की बाउंसर शोएब बशीर के हेलमेट पर लगी। सिराज ने ओवर की दूसरी बॉल बाउंसर फेंकी, बशीर बैट अड़ाने गए, लेकिन गेंद सीधे उनके हेलमेट पर लग गई। अगली ही गेंद पर सिराज ने बशीर को बोल्ड कर दिया।

सलमान खान ने रहस्यमयी टीजर पोस्ट के बाद अपनी देशभक्ति युद्ध ड्रामा

-बैटल ऑफ गैलवान' का शक्तिशाली मोशन पोस्टर जारी किया

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपने फैंस को एक बड़ा तोहफा देते हुए अपनी नई फिल्म 'बैटल ऑफ गैलवान' (Battle of Galwan) का दमदार मोशन पोस्टर जारी कर दिया है। पिछले दिनों सलमान ने एक रहस्यमयी टीजर पोस्ट किया था, जिसके बाद फैंस में कयास लगाए जा रहे थे कि भाईजान किस नए प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं। अब साफ हो गया है कि सलमान अपनी पहली पूर्ण देशभक्ति युद्ध ड्रामा फिल्म के साथ आ रहे हैं, जो 2020 में लद्दाख की गैलवान घाटी में भारतीय सैनिकों की वीरता और बलिदान पर आधारित है।सलमान खान ने ऑनलाइन प्रशंसकों को टीज़ करने के बाद एक शक्तिशाली मोशन पोस्टर के साथ बैटल ऑफ़ गलवान का पहला लुक जारी किया है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर प्रकाश डालती है, जो एक मनोरंजक देशभक्ति ड्रामा का वादा करती है।बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान ने आधिकारिक तौर पर अपनी आगामी युद्ध महाकाव्य बैटल ऑफ़ गलवान का पहला लुक जारी कर दिया है, जिससे प्रशंसकों और इंडस्ट्री में उत्साह की लहर दौड़ गई है। यह घोषणा सुपरस्टार द्वारा एक प्रेरक संदेश के साथ अपनी एक रहस्यमयी तस्वीर साझा करने के ठीक एक दिन बाद की गई है, जिसने सभी को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया था।

सलमान ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक आकर्षक तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा:

"मेहनत करो सही दिशा में। उन्हीं पर वो मेहरबान, और बनायेंगे उनको उनके हुनर का पहलवान। अंग्रेजी में...आप अनुवाद करें।" (अनुवाद: सही दिशा में कड़ी मेहनत करें। वह केवल उन लोगों पर दयालु है, और उन लोगों को चैंपियन बनाता है, जो अपने शिल्प में निपुण हैं।)

इस रहस्यमयी पोस्ट से यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि अभिनेता किसी बड़े प्रोजेक्ट का खुलासा करने की तैयारी कर रहे हैं, और प्रशंसकों को इसकी पुष्टि के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा।

गलवान की लड़ाई का मोशन

पोस्टर: भारत की सबसे भयंकर आधुनिक लड़ाई की एक झलक, शुक्रवार शाम को सलमान ने सोशल मीडिया पर बैटल ऑफ़ गलवान का मोशन पोस्टर शेयर किया, जिससे सस्पेंस खत्म हो गया। मोशन पोस्टर देखने में बहुत ही शानदार है और इसकी शुरुआत इस टेक्स्ट से होती है: "समुद्र तल से 15,000 फीट ऊपर, भारत ने बिना एक भी गोली चलाए, अपनी सबसे क्रूर लड़ाई लड़ी।" दृश्य धीरे-धीरे सलमान खान के सेना के जवान के रूप में गहन लुक को सामने लाते हैं, साथ ही एक शक्तिशाली बैकग्राउंड स्कोर भी है जो "जय हिंद" की प्रतिध्वनि करता है। दिल को छू लेने वाला संगीत और गहन कल्पना, जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प की वास्तविक जीवन की वीरता को तुरंत उजागर करती है, जो दशकों में भारत और चीन के बीच सबसे घातक झड़पों में से एक है।

गलवान की लड़ाई के बारे में अब तक हम जो जानते हैं

इस फ़िल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया करेंगे, जिन्हें शूटआउट एट लोखंडवाला के लिए जाना जाता है, और यह सलमान खान के साथ उनका पहला सहयोग है। सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जिन्होंने 15-16 जून, 2020 को गलवान घाटी में हुई झड़प के दौरान 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया था। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को कथित तौर पर मुख्य महिला के रूप में साइन किया गया है, जो सलमान के साथ उनकी पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। जुलाई 2025 में लद्दाख और मुंबई में 70 दिनों के नियोजित शूट शेड्यूल के साथ उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। सलमान उच्च ऊंचाई वाले दृश्यों की तैयारी के लिए कम ऑक्सीजन प्रशिक्षण ले रहे हैं। फिल्म का मूल विषय और देशभक्ति की थीम दर्शकों को बहुत पसंद आएगी, खासकर सलमान से, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से अपने शानदार अभिनय से सिनेमाघरों में भारी भीड़ खींची है।

क्यों है 'बैटल ऑफ गैलवान' खास?

यह फिल्म 15-16 जून 2020 की रात को गैलवान घाटी में भारतीय सेना और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित है, जिसमें भारत के बहादुर जवानों ने अदम्य साहस दिखाया था। इस संघर्ष में भारतीय सैनिकों ने चीनी घुसपैठ को रोका और सीमा पर देश की संप्रभुता की रक्षा की। फिल्म में दिखाया जाएगा कि किस तरह हमारे जवान सीमित संसाधनों में भी अपने अदम्य साहस और रणनीति से चीन के सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर करते हैं।

निर्देशक और निर्माता

'बैटल ऑफ गैलवान' का निर्देशन कबीर खान कर रहे हैं, जिन्होंने सलमान के साथ 'एक था टाइगर' और 'बजरंगी भाईजान' जैसी हिट फिल्में दी हैं। फिल्म को सलमान खान फिल्म्स और कबीर खान फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का म्यूजिक अजय-अतुल ने तैयार किया है, जिसमें देशभक्ति से भरे गाने और युद्ध के दृश्य के दौरान ऊर्जा देने वाले बैकग्राउंड स्कोर शामिल होंगे।

सिद्धांत चतुर्वेदी-तृप्ति डिमरी स्टारर धड़क 2 का ट्रेलर

-11 जुलाई को मुंबई में लॉन्च होगा

मुंबई। धड़क 2 का ट्रेलर शुक्रवार 11 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा। निर्माताओं ने मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें फिल्म की कास्ट शामिल होगी। नेशनल क्रश त्रिप्ति डिमरी ने बैड न्यूज़ और भूल भुलैया 3 की बदौलत 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। अब वह धड़क 2 में नज़र आने वाली हैं , जिसकी रिलीज़ में एक महीने से भी कम समय बचा है। अब फ़िल्म का ट्रेलर ठीक एक हफ़्ते में रिलीज़ हो जाएगा। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, " धड़क 2 का ट्रेलर शुक्रवार, 11 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा। निर्माताओं ने मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है और इसमें फिल्म के कलाकार, यानी त्रिपती डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ निर्माता करण जौहर , निर्देशक शाजिया इकबाल और अन्य लोग शामिल होंगे। ट्रेलर रिलीज़ होने के बाद, प्रचार ज़ोरों पर शुरू हो जाएगा और फिर निर्माता फिल्म के गाने भी रिलीज़ करेंगे।" सन ऑफ़ सरदार 2 का ट्रेलर भी उसी दिन, शुक्रवार, 11 जुलाई को ही रिलीज़ किया जाएगा। ट्रेड सोर्स ने बताया, "मीडिया के साथ-साथ प्रशंसकों के लिए भी यह एक इवेंट वाला दिन होगा, जब सभी सितारे अपनी फ़िल्मों की संपत्तियों का अनावरण करने के लिए आएंगे। सन ऑफ़ सरदार 2 का कार्यक्रम पहले होने की उम्मीद है, उसके बाद धड़क 2 का । कुछ दिनों में एक स्पष्ट विचार सामने आएगा।" इस बीच, आज फिल्म देखने के लिए बाहर निकलने वाले सिनेमा प्रेमियों को मल्टीप्लेक्स में धड़क 2 के स्टैंडी के साथ स्वागत किया जाएगा । एक अनूठी पहल के तहत, स्टैंडी पर पोस्टर अभी तक डिजिटल पर जारी नहीं किया गया है और फिलहाल यह केवल थिएटर दर्शकों के लिए उपलब्ध होगा। धड़क 2 को पहले 22 नवंबर 2024 को रिलीज़ किया जाना था, जिसके बाद इसे होली 2025 तक टाल दिया गया। अप्रैल में ऐसी खबरें आई थीं कि सेंसर बोर्ड में फ़िल्म को बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। मई में, सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फ़िल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने फ़िल्म को U/A 16+ सर्टिफिकेट और कई कट के साथ पास कर दिया। ऐसा होने के बाद, निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ की तारीख़ की घोषणा की।

धड़क 2 के बारे में

धड़क 2 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह ज़ी स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा समर्थित है और करण जौहर, उमेश कुमार बंसल, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, मीनू अरोड़ा, सोमेन मिश्रा और प्रगति देशमुख द्वारा निर्मित है।

धड़क 2 को CBFC ने मंजूरी दे दी - लेकिन 16 कट्स और कंटेंट में बड़े बदलाव के साथ

सिद्धांत चतुर्वेदी और त्रिपती डिमरी अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म धड़क 2 को अब केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा आधिकारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है - लेकिन इस तरह की मंजूरी कई शर्तों के साथ आई है। 2018 की तमिल फिल्म, परियेरुम पेरुमल के हिंदी रूपांतरण में 16 कट लगाए गए थे, जो सभी राजनीतिक रूप से गूंजने वाले और जाति-आधारित संदर्भों से संबंधित थे जिन्हें या तो म्यूट कर दिया गया है, फिर से लिखा गया है, या पूरी तरह से हटा दिया गया है। धड़क 2 को पहले नवंबर 2024 में रिलीज़ किया जाना था, लेकिन इसमें कई बार देरी हुई, जिसका मतलब है कि यह लंबे समय से लंबित है। धड़क 2 को अब 16+ श्रेणी में U/A रेटिंग मिली है , इसलिए यह फ़िल्म आपके नज़दीकी थिएटर में जल्द ही आनी चाहिए - हालाँकि कहानी में काफ़ी बदलाव हुआ है।

राजनीतिक और जातिगत संदर्भ **बदले गए, चित्र बदले गए**

भले ही सीबीएफसी ने जाति-आधारित गालियों जैसे "चमार" या "भंगी" को म्यूट करने का विकल्प चुना और अधिक सामान्य शब्द का इस्तेमाल किया जिसका अर्थ "जंगली" जैसा था, लेकिन इस रास्ते से तमिल संस्करण की तुलना में महत्वपूर्ण अंतर आया है, जिसे केवल चार कट के साथ मंजूरी दे दी गई थी। बहुजन आंदोलन की विचारधाराओं को संदर्भित करने वाले संवाद के विभिन्न उदाहरण, जैसे कि 'कांशी राम की कलम सादृश्यता', को फिर से लिखा गया या फिर से शब्दों में बदला गया। मूल संस्करण में, वाक्यांश था, "3,000 वर्षों का संचित बैकलॉग केवल 70 वर्षों में समाप्त नहीं होगा," जिसे सरल शब्दों में कहा गया, "सदियों पुराने भेदभाव का बैकलॉग केवल 70 वर्षों में समाप्त नहीं होगा।" दृश्य दृश्यों में भी संपादन किया गया था, जिसमें एक दृश्य जिसमें एक व्यक्ति नीलेश नामक पात्र पर पेशाब करता है (मूल फिल्म में जातिगत क्रूरता का वही अपमानजनक दृश्य पूरी तरह से हटा दिया गया था)। एक अन्य स्पष्ट परिवर्तन में, नीले रंग के आत्मा कुत्ते को दिखाने वाले रहस्यमय दृश्य को पूरी तरह से काट दिया गया।

हमने यह भी सुना है कि ओम प्रकाश वाल्मीकि की एक अत्यधिक संदर्भित कविता, ठाकुर का कुआं , में एक पंक्ति जोड़ी गई थी , जिसे बदल दिया गया या हटा दिया गया, लेकिन सीबीएफसी ने दावा किया कि उन्हें नहीं पता कि फिल्म की रिलीज में कौन सी पंक्ति शामिल की गई। सबसे बड़ी कमी कुछ रूपकों के प्रतिस्थापन की थी।

बॉर्डर 2 के निर्माता भूषण कुमार की याचिका के बाद दिलजीत दोसांझ

-को FWICE प्रतिबंध से अस्थायी राहत मिली

सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री हनिया आमिर को कास्ट करने पर आलोचनाओं का सामना करने के बाद, अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) के साथ विवाद के केंद्र में आ गए हैं। सरदार जी 3 में पाकिस्तानी अभिनेत्री हनिया आमिर की कास्टिंग को लेकर आलोचनाओं का सामना करने के बाद , अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ खुद को विवाद के केंद्र में पाया, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) ने शुरू में उन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। हालाँकि, अब स्थिति शांत होती दिख रही है, क्योंकि फेडरेशन ने कथित तौर पर प्रतिबंध हटा दिया है, जिससे उन्हें अपनी आगामी फिल्म बॉर्डर 2 पर काम फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, एफडब्ल्यूआईसीई के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने पुष्टि की कि यह निर्णय बॉर्डर 2 के निर्माता भूषण कुमार द्वारा व्यक्तिगत रूप से फेडरेशन से अपील करने के बाद लिया गया। अशोक पंडित ने भी इस मामले पर टिप्पणी करते हुए आउटलेट को बताया, "भूषण जी और उनकी टीम देश के हित में निर्णय लेने के लिए काफी उत्सुक थी। लेकिन उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म पहले से ही 80-85% पूरी हो चुकी है, और दिलजीत से जुड़ा अधिकांश काम पहले ही हो चुका है। उन्होंने फेडरेशन से अनुरोध किया कि उन्हें यह फिल्म पूरी करने की अनुमति दी जाए, और हमें आश्वासन दिया कि दिलजीत को भविष्य की परियोजनाओं में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने इस आशय का एक लिखित बयान जारी करने पर सहमति व्यक्त की है।" हालांकि, पंडित ने यह भी स्पष्ट किया कि दिलजीत के खिलाफ असहयोग निर्देश आगामी परियोजनाओं के लिए प्रभावी रहेगा। "दिलजीत के खिलाफ असहयोग जारी है। जो कोई भी भविष्य में उन्हें कास्ट करना चाहेगा, उसे इसके परिणामों के लिए तैयार रहना चाहिए। फेडरेशन को किसी भी वित्तीय नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा," उन्होंने कहा। संदर्भ के लिए, विवाद तब शुरू हुआ जब सरदार जी 3 के ट्रेलर में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर को कास्ट किए जाने की पुष्टि की गई। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद, हानिया को शामिल किए जाने से लोगों की भावनाएं और भड़क गईं, जो उन पाकिस्तानी हस्तियों में से थीं जिन्होंने भारत के ऑपरेशन सिंदूर की खुलेआम आलोचना की थी - जवाबी हमला। बॉर्डर 2 की बात करें तो इस समय इसकी शूटिंग पुणे में चल रही है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सनी देओल, अहान शेट्टी और वरुण धवन जैसे कलाकार हैं । युद्ध महाकाव्य बॉर्डर 2 देशभक्ति और दृढ़ता के लिए एक महान श्रद्धांजलि बन रही है। हालाँकि, हाल ही में सेट एक अलग तरह के युद्ध के मैदान में बदल गया। पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) में फिल्म के नवीनतम शेड्यूल के दौरान , अभिनेता वरुण धवन ने वास्तविक जीवन के भारतीय सेना के कैडेटों के साथ 50 नकल पुश-अप चुनौती का प्रयास करके सभी को चौंका दिया । वरुण द्वारा इंस्टाग्राम पर खुद शेयर की गई एक बिहाइंड द सीन रील में, जो एक मजेदार 20 पुश-अप चैलेंज के रूप में शुरू हुआ, वह 50 नकल पुश-अप के पूरे सेट में समाप्त हुआ - जिसे सटीक रूप से और मुस्कुराते हुए किया गया। वरुण के चारों ओर लगभग 30-40 कैडेट थे, और उनके खत्म होने के बाद कैडेटों की जय-जयकार ने सशस्त्र बलों के प्रति वरुण के गहरे सम्मान को उजागर किया।

यह वीडियो फैन पेजों पर वायरल हो गया है। प्रशंसक वरुण की फिटनेस, विनम्रता और जोश की तारीफ कर रहे हैं - कैडेट्स के पुश-अप से पुश-अप करने की उनकी क्षमता ने उस फिल्म की भावना को दर्शाया है जिस पर वह काम कर रहे हैं।

अब समय से पहले लोन चुकाने पर नहीं लगेगा चार्ज

-RBI का नया नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होगा

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी RBI ने लोन लेने वालों को राहत दी है। दरअसल, RBI ने फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट वाले लोन पर प्री-पेमेंट चार्ज खत्म करने का फैसला किया है। रिजर्व बैंक का यह नया नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होगा।

अगर कोई व्यक्ति समय से पहले अपने लोन को थोड़ा या पूरा चुकाता है, तो बैंक ये चार्ज वसूलता था। नया नियम सभी बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों (NBFC) समेत रेगुलेटेड इंस्टीट्यूशंस के लिए अनिवार्य रहेगा। इससे करोड़ों लोन लेने वाले लोगों, खासकर होम लोन और MSE लोन लेने वालों को सीधा फायदा मिलेगा।

RBI के फैसले से किसे फायदा मिलेगा ?

इस फैसले से उन व्यक्तियों को फायदा मिलेगा , जिन्होंने नॉन कॉमर्शियल काम के लिए फ्लोटिंग रेट पर लोन लिया है। भले ही किसी व्यक्ति ने अकेले लोन लिया हो या को-ऑब्लिगेंट के साथ लोन लिया हो। ऐसे सभी लोन पर कोई भी बैंक या NBFC प्री-पेमेंट चार्ज नहीं वसूल सकेगा।

इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति ने बिजनेस के लिए लोन लिया है या किसी माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (MSE) ने लोन लिया है, तब भी कॉमर्शियल बैंक प्री-पेमेंट चार्ज नहीं लगाएंगे। हालांकि, यह छूट कुछ खास कैटेगरी के इंस्टीट्यूशंस पर लागू नहीं होगी।

किन इंस्टीट्यूशंस को नहीं मिलेगा लाभ?

1.स्मॉल फाइनेंस बैंक
2.रीजनल रूरल बैंक
3.लोकल एरिया बैंक
4.टियर-4 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक
5.NBFC–अपर लेयर (NBFC-UL)
6.ऑल इंडिया फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन

₹50 लाख तक के लोन पर भी राहत

अगर किसी व्यक्ति या MSE को ऊपर दिए गए इंस्टीट्यूशंस से ₹50 लाख तक का लोन मिला है, तो उस पर भी प्री-पेमेंट चार्ज नहीं लगाया जा सकेगा। इसमें टियर-3 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, स्टेट और सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक और NBFC–अपर लेयर (NBFC-ML) शामिल हैं।

RBI ने यह फैसला क्यों लिया ?

RBI ने बताया कि जांच में यह बात सामने आई कि कई रेगुलेटेड इंस्टीट्यूशंस प्री-पेमेंट चार्ज को लेकर अलग-अलग पॉलिसी अपना रही थीं। इससे ग्राहकों में भ्रम और विवाद की स्थिति बन रही थी। इसके अलावा कुछ इंस्टीट्यूशंस लोन एग्रीमेंट में ऐसे रिस्ट्रिक्टिव क्लॉज शामिल कर रहे थे। जिससे ग्राहक कम ब्याज दर वाले ऑप्शन पर स्विच न कर सकें।

RBI ने कहा कि यह राहत लोन चुकाने के सोर्स पर निर्भर नहीं होगी। यानी चाहे लोन का पार्ट पेमेंट हो या पूरा लोन पेमेंट हो और फंड का सोर्स कोई भी हो, अब कोई चार्ज नहीं लगेगा। साथ ही किसी भी तरह का लॉक-इन पीरियड अनिवार्य नहीं होगा।

फिक्स्ड टर्म लोन पर क्या फायदा होगा?

नए नियमों के मुताबिक, फिक्स्ड टर्म लोन पर अगर प्री-पेमेंट चार्ज लगाया भी जाता है, तो वह सिर्फ प्री-पे की गई राशि पर बेस्ड होना चाहिए। वहीं, ओवरड्राफ्ट या कैश क्रेडिट के मामलों में नियम थोड़ा अलग है। अगर लोन लेने वाला समय से पहले रिन्यूएबल न करने की सूचना देता है और तय तारीख पर लोन खत्म कर देता है, तो कोई प्री-पेमेंट चार्ज नहीं लगाया जाएगा।

की - फै क्ट् स स्टेटमेंट में पूरी डिटेल्स जरूरी

RBI ने यह भी निर्देश दिया है कि प्री-पेमेंट चार्ज से जुड़े सभी नियमों की जानकारी लोन एक्सेप्टेंस लेटर, कॉन्ट्रैक्ट और की - फै क्ट् स स्टेटमेंट (KFS) में दी जानी चाहिए। अगर KFS में कोई चार्ज पहले से मेंशन नहीं है, तो बाद में उसे वसूल नहीं किया जा सकता। यह फैसला ग्राहकों की ट्रांसपेरेंसी और कॉम्पिटेटिव बैंकिंग सर्विसेज की दिशा में एक बड़ा सुधार माना जा रहा है।

ग्राहकों के लिए RBI के फैसले का मतलब

RBI के इस फैसले का मतलब ये है कि अगर आपने फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट पर लोन (जैसे होम लोन) लिया है और आप उसे थोड़ा या पूरा तय समय से पहले चुकाना चाहते हैं, तो बैंक या फाइनेंशियल कंपनी आपसे कोई प्री-पेमेंट पेनल्टी नहीं वसूल पाएंगी। इसमें शर्त यह है कि लोन 1 जनवरी 2026 या उसके बाद मंजूर या रिन्यू हुआ हो।

बैंक या कंपनी ग्राहकों पर यह चार्ज इसलिए लगाते थे, ताकि ग्राहक किसी और बैंक के सस्ते लोन पर स्विच न कर सकें या प्री-पेमेंट न करें। इससे उन्हें पूरा ब्याज कमाने का मौका मिलता था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर महंगे हो सकते; बजाज,एथर और TVS घटाएंगी प्रोडक्शन

- चीन से आने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट की शॉर्टेज का असर

चीन की ओर से कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाने का असर भारतीय EV मार्केट पर दिखने लगा है। देश में टॉप इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियां बजाज ऑटो, एथर एनर्जी और TVS मोटर प्रोडक्शन घटाने जा रही हैं।

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 4 महीने से चीन से इंपोर्ट की जाने वाली रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी से भारतीय कंपनियां जूझ रही हैं। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक मोटर्स के लिए बेहद जरूरी हैं और बिना इनके इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने में दिक्कत हो रही है। प्रोडक्शन घटने से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कीमतें बढ़ सकती हैं।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनियां

बजाज ऑटो: भारत की दूसरी सबसे बड़ी EV टू-व्हीलर कंपनी बजाज अपने प्रोडक्शन को आधा करने जा रही है। उनके चेतक लाइन पर पहले से दिक्कतें शुरू हो गई हैं।

एथर एनर्जी: बेंगलुरु की ये कंपनी 8-10% प्रोडक्शन घटाने की प्लानिंग कर रही है।

टीवीएस मोटर: पिछले 3 महीने से सेल्स में नंबर वन रहने वाली कंपनी भी प्रोडक्शन कम करने को मजबूर है। टीवीएस प्रवक्ता ने कहा, 'EV सप्लाई चेन में मैग्नेट की कमी से शॉर्ट और मीडियम टर्म में चुनौतियां बढ़ गई हैं।

ओला इलेक्ट्रिक: प्रोडक्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि ओला के पास 5-6 महीने का मैग्नेट स्टॉक है और वे प्रोडक्शन बढ़ाने की भी सोच रहे हैं। ओला प्रवक्ता अनुसार, 'हमारे प्रोडक्शन पर कोई प्रभाव नहीं है।

ये 4 कंपनियां भारत में बिकने वाले 80% इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाती हैं।

चीन के साथ बातचीत कर रही हैं केंद्र सरकार

ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और केंद्र सरकार चीन के साथ बातचीत कर रही हैं, ताकि मैग्नेट की आपूर्ति फिर से शुरू हो। इसके अलावा, वियतनाम, इंडोनेशिया और जापान जैसे देशों से भी सप्लाई के लिए बात चल रही है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं मिला है। जून में भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता सोसाइटी (SIAM) ने चेतावनी दी थी कि अगर सप्लाई जल्द शुरू नहीं हुई, तो निर्माताओं को प्रोडक्शन कम करना पड़ सकता है।

चीन की पाबंदियां बनी रहीं, तो महंगी होंगी ईवी

अगर चीन की पाबंदियां बनी रहीं, तो ग्लोबल लेवल पर इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनियों पर इसका असर देखने को मिलेगा। कच्चे माल की कीमतें बढ़ेंगी, जिससे गाड़ियों के दाम भी ऊपर जा सकते हैं। भारत सहित सभी बाजारों में भी इसका असर धीरे-धीरे दिखेगा। भारत में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन से इम्पोर्ट जल्द शुरू न हुआ तो इलेक्ट्रिक और ICE वाहनों के कारखानों का प्रोडक्शन रुक सकता है।

भारत में मैन्युफैक्चरर्स के पास 6 से 8 हफ्तों की सप्लाई

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में EV ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चर्रस के पास 6 से 8 हफ्तों की REM सप्लाई बची है, वहीं CNBC-TV18 को टीवीएस मोटर के मैनेजिंग डायरेक्टर सुदर्शन वेणू ने बताया था कि चीन के प्रतिबंधों का असर जून या जुलाई के उत्पादन में देखने को मिल सकता है। अगर ऐसा होता है तो भारतीय EV उत्पादकों के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है।

गाड़ी में रेयर अर्थ मटेरियल्स का इस्तेमाल कहां होता है

रेयर मटेरियल्स का इस्तेमाल खास तौर पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों में किया जाता है। इनका उपयोग परमानेंट मैग्नेट इलेक्ट्रिक मोटर्स के लिए कॉम्पेक्ट और हाई परफॉर्मेंस मेग्नेट बनाने के लिए किया जाता है।

नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम और टेरबियम जैसे तत्वों से बने ये चुंबक, मोटरों को छोटे, हल्के और अन्य ऑप्शन की तुलना में ज्यादा एफिशिएंट बनाते हैं, जो ईवी की रेंज और परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है।

इनका इस्तेमाल ICE वाली गाड़ियों में लगने वाले केटेलिक कन्वर्टर्स जैसे ऑटो कंपोनेंट्स में भी किया जाता है। इसके अलावा ईवी और ICE दोनों तरह के व्हीकल में लगने वाले कई सिस्टम में सेंसर से लेकर डिस्प्ले तक में इन धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है।

रेयर मटेरियल्स की माइनिंग में चीन की करीब 70% हिस्सेदारी

बता दें कि ग्लोबल लेवल पर रेयर मटेरियल्स की माइनिंग में चीन की हिस्सेदारी करीब 70% और प्रोडक्शन में करीब 90% तक है। चीन ने हाल ही में अमेरिका के साथ बढ़ती ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं।

भारत में जल्द मिलेगा हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट IN-SPACe चेयरमैन बोले

- स्टारलिंक को कुछ दिनों में मिल जाएगा फाइनल अप्रूवल

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स कुछ ही दिनों में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने वाली है। स्पेस रेगुलेटर इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर यानी, IN-SPACe के चेयरमैन डॉ. पवन गोयनका ने कहा है कि स्टारलिंक को लेकर ज्यादातर रेगुलेटरी और लाइसेंसिंग की औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं।

डॉ. गोयनका के मुताबिक, अब सिर्फ कुछ अंतिम मंजूरियां बाकी हैं, जो अगले कुछ दिनों में मिल जाएंगी। हाल ही में स्पेसएक्स की प्रेसिडेंट ग्विन शॉटवेल भारत आई थीं।

उन्होंने डॉ. गोयनका से मुलाकात की थी। इस मीटिंग में स्टारलिंक की लॉन्चिंग से जुड़े बचे हुए मुद्दों पर बात हुई थी।

हालांकि, डॉ. गोयनका ने यह भी साफ किया कि मंजूरी मिलने के बाद भी Starlink सर्विस को शुरू होने में कुछ महीने और लग सकते हैं। उन्होंने कहा ऑथराइजेशन के बाद भी कई टेक्निकल और प्रोसीजरल स्टेप्स पूरे करने होंगे। गोयनका ने सभी बातें NDTV को दिए इंटरव्यू में कहीं हैं।

टेलीकॉम डिपार्टमेंट से मिल चुका लाइसेंस

इससे पहले स्पेसएक्स को स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस भारत में ऑपरेट करने के लिए टेलीकॉम डिपार्टमेंट का लाइसेंस मिल चुका है। अब उसे सिर्फ IN-SPACe के अप्रूवल का इंतजार है। स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है।

इससे पहले वनवेब और रिलायंस जियो को मंजूरी मिली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टारलिंक भारत में 840 रुपए में महीनेभर अनलिमिटेड डेटा देगा। आधिकारिक तौर पर मस्क की कंपनी ने इसकी जानकारी नहीं दी है।

सैटेलाइट्स से आप तक कैसे पहुंचेगा इंटरनेट?

सैटेलाइट धरती के किसी भी हिस्से से बीम इंटरनेट कवरेज को संभव बनाती है। सैटेलाइट के नेटवर्क से यूजर्स को हाई-स्पीड, लो-लेटेंसी इंटरनेट कवरेज मिलता है। लेटेंसी का मतलब उस समय से होता है जो डेटा को एक पॉइंट से दूसरे तक पहुंचाने में लगता है।

स्टारलिंक किट में स्टारलिंक डिश, एक वाई-फाई राउटर, पॉवर सप्लाई केबल्स और माउंटिंग ट्राइपॉड होता है। हाई-स्पीड इंटरनेट के लिए डिश को खुले आसमान के नीचे रखना होगा। iOS और एंड्रॉइड पर स्टारलिंक का ऐप मौजूद है, जो सेटअप से लेकर मॉनिटरिंग करता है।

जून 2020 में सरकार ने IN-SPACe स्थापित किया था

डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस ने जून 2020 में IN-SPACe को स्थापित किया था। यह स्पेस एक्टिविटीज में प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को रेगुलेट करने और उसे सुविधाजनक बनाने के लिए सिंगल-विंडो एजेंसी के रूप में काम करती है। IN-SPACe नॉन-गवर्नमेंटल एंटिटीज के लिए लाइसेंसिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग और स्पेस बेस्ड सर्विसेज को बढ़ावा देने का काम भी करती है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी:सोना ₹1,237 बढ़कर ₹97021 पर पहुंचा, चांदी ₹2387 महंगी

सोने-चांदी में तेजी, दाम नई ऊंचाई पर: इस साल ₹1 लाख से ऊपर जाने की संभावना

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 28 जून को सोना 95,784 रुपए पर था, जो अब (5 जुलाई) को 97,021 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,237 रुपए बढ़ी है।

वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 1,05,193 रुपए पर थी, जो अब 1,07,580 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 2,387 रुपए बढ़ी है। 18 जून को चांदी ने ₹1,09,550 और सोने ने ₹99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

1.दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत ₹98,980 और 22 कैरेट सोने की कीमत ₹90,970

2.मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत ₹98,830 और 22 कैरेट सोने की कीमत ₹90,600

3.कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत ₹98,830 और 22 कैरेट सोने की कीमत ₹90,600

4.चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत ₹98,830 और 22 कैरेट सोने की कीमत ₹90,600

5.भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत ₹98,880 और 22 कैरेट सोने की कीमत ₹90,650

इस साल अब तक ₹20,859 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,859 रुपए बढ़कर 97,021 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,563 रुपए बढ़कर 1,07,580 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

इस साल ₹1 लाख 3 हजार तक जा सकता है

सोना केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इजराइल और ईरान के बीच भी जंग शुरू हो गई है। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

ओप्पो रेनो 14 और रेनो 14 प्रो भारत में लॉन्च

-50MP सेल्फी कैमरा, 6200mAh बैटरी और MT 8450 प्रोसेसर

चाइनीज टेक कंपनी ओप्पो ने भारतीय बाजार में ओप्पो रेनो 14 सीरीज लॉन्च कर दी है। इस सीरीज में दो स्मार्टफोन रेनो 14 और रेनो 14 प्रो लॉन्च किए गए हैं।

ओप्पो रेनो 14 प्रो स्मार्टफोन में 6.83 इंच एमोलेड डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल ट्रिपल कैमरा, मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8450 प्रोसेसर और 6200mAh की बैटरी दी गई है।

दोनों स्मार्टफोन दो कलर ऑप्शन में पेश हुए हैं। ओप्पो रेनो 14 पर्ल व्हाइट और फॉरेस्ट ग्रीन में अवेलेबल होगा तो, वहीं रेनो 14 प्रो पर्ल व्हाइट के साथ टाइटेनियम ग्रे भी अवेलेबल होगा।

बायर्स इन दोनों स्मार्टफोन को ई-कॉमर्स वेबसाइट्स और कंपनी की वेबसाइट से बुक कर सकते हैं। 8 जुलाई से इनकी डिलीवरी शुरू हो जाएगी।

फीचर्स और स्पेसिफिकेशन डिटेल में...

डिस्प्ले

सीरीज के बेस बर्जन यानी रेनो 14 में 6.59 इंच वहीं 14 प्रो में 6.83 इंच का फुल HD+ एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। दोनों डिस्प्ले का रिफ्रेश रेट 120Hz और पीक ब्राइटनेस 1200 निट्स है।

प्रोसेसर और ऑपरेटिंग सिस्टम

वहीं, परफॉर्मेंस के लिए रेनो 14 प्रो में एंड्रॉयड 15, कलर OS 15 पर रन करने वाला मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8450 चिपसेट दी गई है। रेनो 14 में कंपनी ने मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट दिया है।

हाइट, विड्थ, थिकनेस और वेट

रेनो 14 प्रो का हाइट 16.34cm, विड्थ 7.70cm और थिकनेस 0.75cm है। इसका वजन 201 ग्राम है। वही, बेस वर्जन रेनो 14 का डायमेंशन 15.79cmx-7.47cmx0.74cm वहीं इसका वजन 187 ग्राम है।

कैमरा

रेनो 14 प्रो में कंपनी ने ट्रिपल कैमरा सेटअप में 50MP का वाइड एंगल लेंस, 50MP टेलीफोटो और 50MP अल्ट्रा वाइड लेंस दिया है। वहीं बेस मॉडल यानी रेनो 14 में यह 50MP+8MP+50MP है।

लेक्चरर-कोच एग्जाम ग्रुप-B पेपर की मॉडल ANSWER-KEY जारी

कैंडिडेट्स 7 जुलाई तक दर्ज करा सकेंगे आपत्ति, 26 से 29 जून तक हुए थे एग्जाम

राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित की जा रही प्राध्यापक एवं कोच (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत ग्रुप बी के विषय जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडीज, हिस्ट्री, बायोलॉजी, केमिस्ट्री, कॉमर्स एवं फिजिक्स विषय की मॉडल आंसर-की आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षाओं का आयोजन 26 से 29 जून 2025 तक किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल आंसर-की पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 5 से 7 जुलाई 2025 को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के अनुसार ही दर्ज करनी होगी। परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिकेट) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही दर्ज करानी होगी। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाता है, तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

100 रुपए होगी फीस, ये रहेगा ऑनलाइन प्रोसेस

आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए आपत्ति शुल्क 100 रुपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी को एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन करना होगा। इसके बाद परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन ऑब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज करा सकेगा।

कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा अभ्यर्थी स्वयं भी रिक्रूटमेंट पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे पर भुगतान कर आपत्तियां दर्ज कर सकता है। आयोग द्वारा शुल्क वापस लौटाने का प्रावधान नहीं है। शुल्क के अभाव में आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएगी। आपत्तियां केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत करें। अन्य किसी माध्यम से भेजी गई आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएगी। आपत्तियां केवल एक बार ही ली जाएगी।

7 की रात 12 बजे लास्ट डेट, यहां करें कॉन्टैक्ट

ऑनलाइन आपत्तियों का लिंक 5 से 7 जुलाई 2025 को रात्रि 12:00 बजे तक ही उपलब्ध है, उसके बाद लिंक निष्क्रिय हो जाएगा। ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करने में किसी प्रकार की तकनीकी कठिनाई होने पर अभ्यर्थी recruitmenthelpdesk@rajasthan.gov.in पर ईमेल से अथवा फोन नम्बर 9352323625 व 7340557555 पर संपर्क कर सकते हैं।

DSSSB ने 2,119 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन किया जारी; 8 जुलाई से शुरू आवेदन

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (DSSSB) ने जेल वार्डर सहित 2,000 से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 8 जुलाई से शुरू हो रही है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट dsssb.delhi.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

कैटेगरी वाइस वैकेंसी डिटेल्स :

•अनारक्षित : 892 पद
•ओबीसी : 558 पद
•एससी : 312 पद
•एसटी : 148 पद
•ईडब्ल्यूएस : 209 पद

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

•10वीं, 12वीं, संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग की डिग्री, बैचलर डिग्री, मास्टर डिग्री,

एज लिमिट :

•जेल वार्डर, लैब टेक्नीशियन, मलेरिया इंस्पेक्टर, फार्मासिस्ट : 18-27 वर्ष
•पीजीटी/शिक्षक : 30 वर्ष
•आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट : 18-32 वर्ष
•आयु में छूट नियमानुसार लागू होगी।

फीस :

•सामान्य/ओबीसी : 100 रुपए
•अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पीडब्ल्यूबीडी (बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति) और पूर्व सैनिक : निःशुल्क

सैलरी :

•मलेरिया इंस्पेक्टर : 35,400 – 1,12,400 रुपए प्रतिमाह
•आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट : 29,200 – 92,300 रुपए प्रतिमाह
•पीजीटी इंजीनियरिंग ग्राफिक्स : 47,600- 1,51,100 रुपए प्रतिमाह
•पीजीटी संस्कृत : 47,600-1,51,100 रुपए प्रतिमाह
•पीजीटी इंग्लिश : 47,600-1,51,100 रुपए प्रतिमाह
•पीजीटी हॉर्टिकल्चर (पुरुष) : 47,600- 1,51,100 रुपए प्रतिमाह
•ऑपरेशन थियेटर : 19,900 – 63,200 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :

रिटन एग्जाम के बेसिस पर मेरिट लिस्ट तैयारी की जाएगी।

रेलवे में रिटायर्ड ऑफिसर के लिए निकली भर्ती

-एज लिमिट 65 साल, बिना एग्जाम के होगा सिलेक्शन

सेंट्रल रेलवे ने ग्रुप सी के पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। यह भर्ती मुंबई और उससे संबंधित डिवीजन के लिए है।

वैकेंसी डिटेल्स :

•मुख्यालय जनरल, स्टोर्स और ट्रैफिक अकाउंट्स: 24 पद
•ST. DFM मुंबई: 03 पद
•Dy.FA&CAO (W) माटुंगा: 01 पद
•Dy.FA&CAO (C) दोंडिया चौरा: 01 पद

योग्यता :

यह भर्ती रेलवे के अकाउंट्स डिपार्टमेंट में काम कर चुके रिटायर्ड स्टाफ के लिए है।

एज लिमिट :

अधिकतम 65 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :

एक्सपीरियंस के बेसिस पर सिलेक्शन किया जाएगा।

सैलरी :

जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट cr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

फॉर्म भरकर इस पते पर भेजें :

हेड क्वार्टर एडमिन सेक्शन पीएफए ऑफिस, मुंबई सीएसएमटी

झारखंड के दो प्रवासी मज़दूरों की विदेश में हुई मौत, हफ़्तों गुज़रने के बाद भी घरवालों को नहीं मिला है शव

सऊदी अरब और कुवैत में दो भारतीय मज़दूरों की मौत के बाद झारखंड के उनके गाँव में शवों का इंतज़ार किया जा रहा है।

झारखंड। यह मामला हज़ारीबाग़ ज़िले के बिष्णुगढ़ प्रखंड स्थित जोबर पंचायत के बनखार्रो गाँव का है। इनमें से एक मज़दूर की मौत हुए 40 दिन हो चुके हैं जबकि दूसरे की मौत भी क़रीब 20 दिन पहले हुई थी। इनका शव आज तक परिवार वालों तक नहीं पहुँचा है। यहाँ के एक प्रवासी मज़दूर धनंजय महतो की मौत सऊदी अरब में 24 मई 2025 को हो गई थी। वहीं 15 जून को दूसरे प्रवासी रामेश्वर महतो ने कुवैत के एक अस्पताल में आख़िरी सांस ली थी।दोनों ही मज़दूरों के परिजन शव वापस लाने के लिए सरकार से गुहार लगा रहे हैं। मामला सुर्खियों में आने के बाद झारखंड सरकार का श्रम विभाग विदेश मंत्रालय के अधीन आने वाले लेबर सेल प्रोटेक्टर ऑफ़ इमिग्रेंट के संपर्क में है। इसके साथ ही राज्य का श्रम विभाग सऊदी अरब और कुवैत स्थित भारतीय दूतावास से भी संपर्क में है।

झारखंड सरकार के संयुक्त श्रम आयुक्त प्रदीप लकड़ा कहते हैं कि "मामला दो देशों के बीच का है, इसलिए कागज़ी कार्रवाई के अलावा मुआवज़े की राशि पर परिवार की सहमति के लिए एनओसी मिलने में देरी हो रही है।" प्रदीप लकड़ा के अनुसार, दोनों मामलों में झारखंड सरकार के लेबर सेल की टीम हेड शिखा लकड़ा विदेश मंत्रालय के अधीन प्रोटेक्टर ऑफ़ इमिग्रेंट के साथ सऊदी अरब और कुवैत स्थित भारतीय दूतावास के साथ लगातार संपर्क में हैं। शिखा लकड़ा के अनुसार, प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जल्द ही शव मृतकों के पैतृक गांव बनखार्रो पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन मृतक धनंजय महतो की माँ पनवा देवी सवाल करती हैं, "पिछले 37 दिनों से केवल उम्मीद ही मिल रही है। कोई ये पता नहीं लगा कर बता रहा है कि मेरे बेटे की मौत कैसे हुई?"

कैसे हुई धनंजय महतो की मौत?

धनंजय के परिवार ने बताया कि पिछले एक साल से लार्सन एंड टूब्रो कंपनी में कार्यरत धनंजय महतो सऊदी अरब की निर्माणाधीन परियोजना नियोम मेगा सिटी में ट्रांसमिशन लाइन के लिए टावर लगाने का काम कर रहे थे। इसके लिए उन्हें चालीस हज़ार रुपए वेतन मिलता था।

यहाँ साइट से कुछ दूरी पर मज़दूरों के रहने के लिए कंटेनर से बनी अस्थायी रिहायशी डॉर्मेटरी है। धनंजय यहां दूसरी मंज़िल पर झारखंड के अन्य मज़दूरों के साथ रहते थे। धनंजय महतो हमेशा साइट पर जाने से पहले अपनी पत्नी से सऊदी अरब के समय अनुसार सुबह के क़रीब पौने पांच बजे बात किया करते थे।

उनकी पत्नी गीतांजलि देवी के अनुसार 24 मई को वह हमेशा की तरह वीडियो कॉल पर बातें कर रहे थे। वह कहती हैं कि "अचानक उनका मोबाइल गिर कर बंद हो गया। दोबारा कॉल लगाने पर उनका मोबाइल स्विच ऑफ़ मिला।"

वह आगे कहती हैं, "कुछ देर के बाद उनके साथी मुकेश महतो (बदला हुआ नाम) ने कॉल करते हुए बताया कि पति धनंजय नीचे गिर गए हैं।" बीबीसी ने मुकेश महतो से फ़ोन पर बात की तो उन्होंने इस घटना के बारे में जानकारी दी।

मुकेश महतो के अनुसार, "24 मई को धनंजय महतो अपने कमरे से बाहर निकल कर सीढ़ियों पर बैठ कर जूता पहनने लगे। अन्य साथियों के साथ मुकेश साइट पर जाने के लिए बस में बैठ कर धनंजय का इंतज़ार करने लगे। तभी अचानक बाहर हल्ला हुआ कि धनंजय महतो नीचे गिर गए हैं। ये सुनकर सभी धनंजय के नज़दीक पहुंचे।"

परिवार का आरोप, कंपनी का जवाब

मुकेश महतो ने कहा कि ज़मीन पर पड़े धनंजय महतो के मुंह से सिर्फ 'मां बचाओ' जैसी आवाज़ निकल रही थी। मुकेश ने दावा किया कि 40 मिनट बाद ज़मीन पर तड़पते धनंजय को लेने के लिए एक एम्बुलेंस पहुंची, जिससे वह स्थानीय कैम्प अस्पताल भेजे गए। धनंजय की हालत देख कर मुकेश और अन्य साथियों ने डॉक्टर से मिन्नतें कीं कि उन्हें किसी बड़े अस्पताल रेफर कीजिए। इसके बाद लगभग सवा नौ बजे एयर एम्बुलेंस से उन्हें इलाज के लिए बाहर ले जाने की तैयारी शुरू हुई। मुकेश कहते हैं, "लेकिन साढ़े नौ बजे धनंजय की सांसें पूरी तरह थम चुकी थीं" गीतांजलि के अनुसार मुकेश महतो ने साढ़े नौ बजे धनंजय की मृत्यु की सूचना परिवार को दी।

धनंजय महतो की मौत कैसे हुई, उनके शव पहुँचने में हो रही देरी एवं मुआवज़े को लेकर बीबीसी ने लार्सन एंड टूब्रो कम्पनी के एच आर एडमिन आदित्य कुमार से बातचीत की। लेकिन उन्होंने किसी भी बिंदु पर बात करने से इंकार करते हुए कहा कि, "कम्पनी ने झारखंड के लेबर सेल को सूचित कर दिया है। आप उन्हीं से जानकारी लीजिए।"

क़रीब 40 दिनों से घर में नहीं जला चूल्हा

गीतांजलि देवी के घर क़रीब चालीस दिनों से चूल्हा नहीं जला है। घरवालों के लिए रिश्तेदारों के घर से दिन में एक समय का भोजन आता है। गीतांजलि कहती हैं, "रिश्तेदारों के भोजन पर कब तक निर्भर रहेंगे। बात सिर्फ मेरी नहीं बल्कि सवाल पूरे परिवार का है जो मेरे पति की कमाई पर निर्भर था।"

धनंजय महतो के परिवार में उनकी पत्नी, डेढ़ साल और 5 साल के दो बेटे, और धनंजय के माता-पिता हैं। वे घर के जिस एक कमरे में रहते थे उसकी खपरैल की छत हाल में हुई बारिश से गिर गई। ऐसे में धनंजय के बड़े भाई खिरोधर महतो ने हालात को देख कर हफ़्ते भर पहले अपना एक छोटा सा कमरा उन्हें रहने के लिए दे दिया। घर की चिंता में गीतांजलि देवी कहती हैं, "आज नहीं तो कल इस कमरे को खाली करना पड़ेगा। अब तो पति भी नहीं हैं कि घर का बन सके।" धनंजय के घर में न तो शौचालय है और न ही पीने के पानी की कोई सुविधा। उनके माता-पिता को वृद्धा पेंशन भी नहीं मिलती।

कुवैत से शव आने का इंतज़ार कर रहे रामेश्वर महतो के परिजन

इसी बनखार्रो गांव में धनंजय महतो के घर से पांच सौ मीटर दूर रामेश्वर महतो का पक्का घर है जिसे उन्होंने कर्ज़ लेकर बनवाया था।

इस घर में मोबाइल बजते ही उनके मां-पिता, पत्नी, दोनों बेटे और बहू फ़ोन की तरफ देखने लगते हैं कि शायद रामेश्वर महतो के शव के आने की सूचना आई है।वो कुवैत की एक कंपनी में 12 साल से नौकरी कर रहे थे। फ़िलहाल उनकी सैलरी 36 हज़ार रुपये थी।रामेश्वर महतो की मौत 15 जून को कुवैत के अदान अस्पताल में हुई। वह 6 जून से अस्पताल में भर्ती थे। जहां उनके क़रीब सहकर्मी रामकिशुन महतो ने अंत तक उनकी देखभाल की।

रामकिशुन ने फ़ोन पर बीबीसी को बताया," कुवैत के मबूला शहर के एक फ्लैट की छठी मंज़िल पर बनी डॉर्मेटोरी में साथ रहने वाले रामेश्वर महतो 6 जून को हमेशा की तरह स्वस्थ थे। दोपहर में उन्होंने ही सभी के लिए चिकन पकाया। साथ मिलकर जब खाने बैठे तो अचानक उनका बांया हाथ और पैर निष्क्रिय होने लगे। रात बारह बजे तक तबीयत में सुधार नहीं होने पर साथियों ने उन्हें चार किलोमीटर दूर अदान अस्पताल में भर्ती कराया।"

रामकिशुन ने रामेश्वर के गिरते स्वास्थ्य की सूचना कंपनी के सुपरवाइज़र और उनके परिवार को दी। रामकिशुन महतो समय-समय पर प्रमिला देवी को वीडियो कॉल से रामेश्वर महतो की झलक दिखा देते। वह कहती हैं, "पति लकवाग्रस्त हो चुके थे, अचेत अवस्था में उनको ऑक्सीजन लगी थी। हम असहाय इतनी दूर से सिर्फ प्रार्थना ही कर सकते थे। लेकिन अब वह जीवित नहीं रहे।"

प्रमिला आगे कहती हैं कि दो हफ्ते गुज़रने के बावजूद कुवैत से शव नहीं आया। प्रमिला देवी के घर पर मौजूद प्रवासी मज़दूर एक्टिविस्ट सिकंदर अली के अनुसार बिष्णुगढ़, बगोदर और डुमरी प्रखंड से लगभग दस हज़ार मज़दूर भारत के बाहर काम कर रहे हैं। वह कहते हैं कि "विदेश में लेबर की मौत की सूचना अक्सर मिलती है। लेकिन उनके शव आने से लेकर मुआवज़ा मिलने तक के काम में बहुत देर हो जाती है।"

रामेश्वर महतो के बहनोई टेकलाल महतो कहते हैं कि "शव के लिए मैंने बीडीओ से लेकर ज़िला उपायुक्त से मिल चुका हूं, लेकिन अभी तक कोई प्रोग्रेस नहीं दिखाई दिया।"

दिल्ली सरकार ने पुरानी कार पर बैन का फैसला वापस लिया, ईंधन मिलेगा-गाड़ी सीज नहीं होगी

दिल्ली। सरकार ने पुरानी कार पर हाल ही में लगाए गए बैन का फैसला वापस ले लिया है। अब 10-15 साल पुरानी कार चलाने वालों को पेट्रोल पंप पर ईंधन मिलेगा-गाड़ी सीज भी नहीं होगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 10-15 साल पुरानी कार चलाने वालों के लिए गुड न्यूज सामने आई है। CM रेखा गुप्ता की सरकार ने पुरानी कार वालों को राहत देते हुए इन पर बैन लगाने का फैसला वापस ले लिया है। पेट्रोल पंपों पर अब पुरानी कार को भी ईंधन मिलेगा। पेट्रोल पंपों पर अब पुरानी कार सीज नहीं होंगी। अब उम्र के आधार पर कारों पर बैन नहीं लगेगा। आपको बता दें कि गाड़ियों पर बैन लगाने और उन्हें पंपों पर ईंधन न देने के फैसले को लेकर कई लोग नाराजगी जाहिर कर रहे थे।

पुरानी गाड़ियों को सीज नहीं किया जाएगा

पुरानी कार को लेकर फैसले पर दिल्ली सरकार ने U टर्न ले लिया है। दिल्ली में अब पुरानी कार बेकार नहीं होगी बल्कि वो दौड़ेगी क्योंकि रेखा गुप्ता सरकार ने 1 जुलाई से लागू फैसलों को वापस ले लिया है। यानी अब पेट्रोल पंपों पर 10 साल पुरानी डीजल कार और 15 साल पुरानी पेट्रोल कार को भी ईंधन मिलेगा। साथ ही दिल्ली सरकार ने इस बात का भी फैसला लिया है कि पेट्रोल पंपों पर अब पुरानी गाड़ियों को सीज नहीं किया जाएगा।

फिर किस आधार पर होगी वाहनों पर कार्रवाई?

CM रेखा गुप्ता की सरकार द्वारा पुरानी कारों पर बैन के फैसले को वापस लेने के बाद पेट्रोल पंपों पर अब पुरानी कार को भी ईंधन मिलेगा। अब उम्र के आधार पर कारों पर बैन नहीं लगेगा। कारों पर पॉल्यूशन के आधार पर कार्रवाई होगी। 10 साल से पुरानी डीजल कार, 15 साल से पुरानी पेट्रोल कार और 15 साल से पुरानी स्कूटी, मोटरसाइकिल को भी पेट्रोल पंपों पर ईंधन मिलेगा।

क्या था सरकार का पहले का फैसला?

दिल्ली में पॉल्यूशन कंट्रोल के लिए 1 जुलाई से नया नियम लागू हुआ था जिसके तहत पेट्रोल पंपों पर 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों को ईंधन देने पर बैन लगा दिया था। इसके लिए पेट्रोल पंपों पर ANPR कैमरे लगाए गए थे। हालांकि, 2 दिन बाद ही दिल्ली सरकार को ये फैसला वापस लेना पड़ा है।

पटना में बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या

-मिलने पहुंचे डिप्टी CM पर फूटा मां का गुस्सा

पटना। बिहार में शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में शनिवार को पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों की माने तो मर्डर शूटर से कराया गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए STF की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

IG जितेंद्र राणा ने बताया कि 'हत्याकांड के कई पहलू सामने आए हैं। जिस पर जांच हो रही है। शूटर ने गोली मारी है। उसके साथ कुछ लाइजनर भी थे। शूटर से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं।'

'शूटर और शूटर को भेजने वालों की जानकारी मिल चुकी है। हत्या क्यों की गई ये भी लगभग सामने आ चुका है। जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी होगी। कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।'

डिप्टी CM विजय सिन्हा भी परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन पर खेमका का मां का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि 'मेरा बेटा भी BJP में था। मुझे इंसाफ चाहिए।' गोपाल खेमका का रविवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनकी बेटी के स्कॉटलैंड से आने का इंतजार किया जा रहा है।

अपार्टमेंट के गेट के सामने खेमका का मर्डर

पटना में गोपाल खेमका को उनके अपार्टमेंट के गेट के ठीक सामने अपराधी ने गोली मारी थी। खेमका गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास कटारुका निवास में रहते थे। आनन-फानन में परिजन उन्हें पटना के मेडिवर्सल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गोपाल खेमका देर रात खुद गाड़ी ड्राइव करते हुए बांकीपुर क्लब से घर लौटे थे। वो जैसे ही अपार्टमेंट के पास पहुंचे, घात लगाए अपराधी ने सिर में गोली मार दी। अपराधी बाइक से आया था।

हत्या का CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें एक अपराधी उन्हें गोली मारकर भागते हुए दिखाई दे रहा है। हत्या की खबर लगते ही खेमका के घर के बाहर भीड़ जुट गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने परिवार से मुलाकात की। घर के अंदर ही उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने DGP से पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने जल्द से जल्द अपराधियों के पकड़ने के निर्देश दिए हैं।

गांधी मैदान थाने से 300 मीटर दूर वारदात

गांधी मैदान थाने से 300 मीटर दूर वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि 2 घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची।

परिजनों ने घटना की सूचना पटना पुलिस को देने की कोशिश की, लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया। फिर ADG मुख्यालय कुंदन कृष्णन को फोन कर घटना की सूचना दी। इसके बाद पटना पुलिस हरकत में आई। घटना की सूचना मिलने के बाद SSP, सिटी SP, सांसद पप्पू यादव और दूसरे लोग उनके घर पहुंचे। मौके पर FSL की टीम भी पहुंची है। इसके साथ ही अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर STF को लगाया गया है।

7 साल पहले बेटे की हुई हत्या

गोपाल खेमका के 2 बेटे हैं। 2018 में उनके बेटे गुंजन खेमका की इसी तरह फैक्ट्री के गेट पर हत्या हुई थी। हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में उनकी कॉटन फैक्ट्री के सामने उन्हें अपराधियों ने गोली मार दी थी। दूसरे बेटे गौरव खेमका IG-IMS में डॉक्टर हैं। बेटी लंदन में रहती हैं। गोपाल खेमका का पेट्रोल पंप से लेकर फैक्ट्री और अस्पताल का बिजनेस है।

राजधानी दिल्ली के शाहबाद डेयरी में एनकाउंटर, पुलिस ने दो बदमाशों को मारी गोली

दिल्ली। राजधानी में गुरुवार की रात एनकाउंटर हुआ है। पुलिस ने इस एनकाउंटर में दो अपराधियों को धर दबोचा है। दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। गुरुवार को देर रात दिल्ली में एक बार फिर से एनकाउंटर हुआ है। दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच गोलियां चली हैं। जानकारी के मुताबिक, ये दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बदमाशों का एनकाउंटर किया है। ये बदमाश नंदू गैंग से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। आइए जानते हैं इस एनकाउंटर के बारे में सबकुछ।

दरअसल, पुलिस को शक था कि ये बदमाश गैंगस्टर मनजीत महल के भांजे पर गोली चलाने के मामले में शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, आरोपी नंदू गैंग से जुड़े हुए हैं। एनकाउंटर के दौरान बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पकड़े गए बदमाशों का नाम विजय और सोमवीर बताया जा रहा है।

एनकाउंटर के बारे में क्या पता लगा?

गैंगस्टर मंजीत महल के भतीजे दीपक की हत्या में शामिल दो अपराधियों को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कल देर रात शाहबाद डेयरी में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अपराधियों की पहचान विजय और सोमवीर के रूप में हुई है और दोनों के पैरों में गोली लगी है। पुलिस दोनों अपराधियों से पूछताछ करेगी।

सराय काले खां में भी हुई थी मुठभेड़

इससे पहले दिल्ली के सराय काले खां में पुलिस और एसटीएफ का ज्वाइंट ऑपरेशन हुआ था। यहां पुलिस की एक कुख्यात बदमाश के साथ मुठभेड़ हुई थी। पुलिस ने इस कार्रवाई में वांछित अपराधी ललित नेपाली को घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक, बदमाश ललित नेपाली 2 दर्जन से अधिक वारदातों में शामिल था। कई केसों में अदालतों द्वारा उसे भगोड़ा भी घोषित किया गया है।

सराय काले खां में बदमाश और पुलिस के बीच हुई गोलीबारी में एसीपी, लाजपत नगर बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से बाल-बाल बच गए। एनकाउंटर के बाद पुलिस ने बदमाश के पास से एक सेमी ऑटोमैटिक पिस्तौल और 4 जिंदा कारतूस बरामद किया है।

मुंबई बिजनेसमैन सुशील केडिया के ऑफिस में तोड़फोड़

- MNS के कार्यकर्ताओं ने किया पथराव

मुंबई। मुंबई के वर्ली में बिजनेसमैन सुशील केडिया के ऑफिस में राज ठाकरे की पार्टी MNS के कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की। इसका वीडियो भी सामने आया है।

मुंबई के वर्ली में बिजनेसमैन सुशील केडिया के ऑफिस में तोड़फोड़ की गई है। ये तोड़फोड़ राज ठाकरे की पार्टी MNS के कार्यकर्ताओं ने की है। बता दें कि हिंदी मराठी विवाद को लेकर शुक्रवार को बिजनेसमैन सुशील केडिया ने ट्विटर पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि वह मराठी भाषा नहीं सीखेंगे। इसके बाद तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया है।

तोड़फोड़ के बाद सुशील केडिया ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया

विवाद के बाद सुशील केडिया का माफीनामा सामने आया है। उन्होंने अपने ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना के बाद एक्स पर वीडियो पोस्ट किया और कहा, 'जिस तरह की स्थिति बनी थी, उसकी वजह से मानसिक तनाव में थे।'

सुशील केडिया ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किया था पोस्ट

सुशील केडिया ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया था, 'राज ठाकरे आपके सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा मुझे धमकाए जाने से मैं मराठी भाषा में पारंगत नहीं हो जाऊंगा। अगर मुझे मराठी भाषा की गुणवत्ता पर भरोसा नहीं है, तो इतनी धमकियों के बीच और भी डर है कि अगर मैं कोई शब्द गलत तरीके से नहीं बोल पाया तो और हिंसा हो जाएगी। बात समझिए। धमकी नहीं, बल्कि प्यार लोगों को एक साथ लाता है।'

सुशील केडिया ने पोस्ट किया था, 'ध्यान दें राज ठाकरे, मुंबई में 30 साल रहने के बाद भी मैं मराठी ठीक से नहीं जानता और आपके घोर दुर्व्यवहार के कारण मैंने यह संकल्प लिया है कि जब तक आप जैसे लोगों को मराठी मानुष की देखभाल करने का दिखावा करने की अनुमति है, मैं प्रतिज्ञा लेता हूं कि मैं मराठी नहीं सीखूंगा।'

महाराष्ट्र में मराठी भाषा से जुड़ा ताजा विवाद क्या है?

महाराष्ट्र में मराठी भाषा से जुड़ा ताजा विवाद 2025 में हिंदी को प्राथमिक स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के सरकारी फैसले से शुरू हुआ। इस नीति का शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने तीखा विरोध किया, इसे मराठी अस्मिता और संस्कृति पर हमला बताया गया। विरोध के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अप्रैल और जून 2025 के सरकारी आदेशों को रद्द कर दिया, और एक नई समिति गठित की गई जो भाषा नीति पर सिफारिशें देगी।

इसके अलावा, मराठी न बोलने को लेकर हिंसा की घटनाएं भी सामने आईं। उदाहरण के लिए, मुंबई के मीरा रोड और पवई में मनसे कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों और एक वॉचमैन के साथ मारपीट की, क्योंकि उन्होंने मराठी में बात करने से इनकार किया। इन घटनाओं के वायरल वीडियो ने विवाद को और बढ़ाया।

इसके जवाब में, सरकार ने 3 अक्टूबर को शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस और 3-9 अक्टूबर को मराठी भाषा सप्ताह मनाने का ऐलान किया, ताकि मराठी की सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत को बढ़ावा दिया जाए। विवाद में हिंदुत्व का मुद्दा भी जुड़ा, जब मंत्री नितेश राणे ने ठाकरे बंधुओं (उद्धव और राज) पर निशाना साधते हुए कहा कि वे मुस्लिम बहुल इलाकों में मराठी लागू करवाकर दिखाएं।

यह विवाद मराठी अस्मिता, क्षेत्रीय राजनीति और भाषाई नीतियों के इर्द-गिर्द घूम रहा है, जिसमें हिंसा और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

रामबन में अमरनाथ यात्रियों की बसों में टक्कर: 36 घायल

जम्मू-कश्मीर। अमरनाथ यात्रा पर जा रहे तीर्थयात्रियों के काफिले को आज जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में एक बड़े हादसे का सामना करना पड़ा। चंदरकोट लंगर के पास काफिले की चार बसें आपस में टकरा गईं, जिसमें लगभग 36 श्रद्धालु घायल हो गए।

कैसे हुआ हादसा?

यह दुर्घटना तब हुई जब एक बस के ब्रेक फेल हो गए और ड्राइवर ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके परिणामस्वरूप, पीछे चल रही तीन और बसें उससे टकरा गईं।

बचाव कार्य और घायलों की स्थित हादसे की सूचना मिलते ही बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। सभी घायल श्रद्धालुओं को तत्काल जिला अस्पताल, रामबन में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद था, जिससे घायलों को तुरंत डीएच रामबन पहुंचाया जा सका। घटना के बाद, शेष यात्रियों को वैकल्पिक वाहनों से पहलगाम की ओर रवाना किया गया ताकि यात्रा में कोई बाधा न आए।

अमरनाथ यात्रा का नवीनतम अपडेट

इस हादसे से कुछ घंटे पहले ही, भगवती नगर बेस कैंप, जम्मू से अमरनाथ यात्रा के लिए 6900 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था रवाना हुआ था। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु-साध्वी और 1 ट्रांसजेंडर शामिल थे।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू हुई थी और यह पहलगाम और बालटाल, दो मार्गों से चल रही है। 38 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा इस बार 9 अगस्त (रक्षाबंधन) को समाप्त होगी। पिछले साल यह यात्रा 52 दिनों तक चली थी और लगभग 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। यात्रा शुरू होने के दो दिनों के भीतर ही 26 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में दर्शन कर चुके थे, और अब यह संख्या 30 हजार से अधिक हो चुकी है। अब तक, 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,